mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-233 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
23 अगस्त 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

आईफोन के लिए 300 फीट ऊंची पहाड़ी से कूदा बेटा

बचाने में पिता भी गिरे, सदमे में मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगाई

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को एक परिवार में iPhone को लेकर हुए झगड़े का अंत बेहद दुखद हुआ। शहर के तीसगांव इलाके के 300 फीट ऊंचे खवड्या पहाड़ से गिरकर एक ही परिवार के बेटे-पिता और मां की जान चली गई।

पुलिस के मुताबिक, बेटे ने iPhone तो खरीद लिया था, लेकिन वह इसकी EMI नहीं चुका पा रहा था। EMI चुकाने के लिए वह परिवार से पैसे मांग रहा था। इसे लेकर उसकी अपने पिता के साथ कहासुनी हो गई। यहीं से इस दर्दनाक घटना की शुरुआत हुई। कहासुनी के बाद कुणाल गुस्से में घर से निकल गया। खवड्या पहाड़ पर चढ़ गया। मरने वालों की पहचान कुणाल चांदगुडे (18 साल), पिता मुरलीधर चांदगुडे (48 साल) और मां संगीता चांदगुडे

नेशनल टीचर्स अवॉर्ड 2026 का ऐलान, 48 नाम

यूपी से तीन, म.प्र-राजस्थान और बिहार से दो-दो टीचर्स

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को नेशनल टीचर्स अवॉर्ड 2026 का ऐलान किया। देशभर से 48 शिक्षकों को चुना गया है। इनमें केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आदर्श जनजातीय स्कूल और पीएम श्री स्कूलों समेत कई संस्थानों के शिक्षक चुने गए हैं। 48 स्कूली शिक्षकों में से 26 पुरुष और 22 महिला टीचर हैं। उत्तर प्रदेश से तीन, बिहार और एमपी से दो-दो टीचर्स चुने गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 5 सितंबर को शिक्षकों को ये पुरस्कार देंगी। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर हुआ चयनः मंत्रालय के अनुसार, 48 शिक्षकों का चयन स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने तीन चरणों में किया है। यह प्रक्रिया जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पूरी की गई। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कारों का उद्देश्य देश के कुछ बेहतरीन शिक्षकों के विशेष योगदान को सामने लाना है।

मोहाली के पीजी में दंपती ने जहर निगला: पति-पत्नी दोनों की मौत

मोहाली,एजेंसी। चंडीगढ़ से सटे मोहाली के जीरकपुर में एक दंपती ने सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी की मौके पर मौत हो गई, जबकि पति ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस को मौके से 7 पेज का सुसाइड नोट मिला है। इसमें विदेश भेजने के नाम पर 36 लाख रुपए की ठगी का आरोप लगाया गया है।

मृतका की पहचान बरनाला के तक्खे के पत्ती में सेखां की रहने वाली गगनदीप कौर के रूप में हुई है। उसका पति हाकम सिंह महमदपुर, बरनाला का रहने वाला है। हाकम सिंह का इलाज जारी है। दोनों ने विदेश जाने के लिए मैरिज की थी और पिछले कुछ समय से जीरकपुर के एक पीजी में रह रहे थे।

स्कूल के सहपाठी पर भरोसा किया, 36 लाख दिए: पुलिस को मिले सुसाइड नोट में हाकम सिंह ने आरोप लगाया है कि विदेश भेजने वाला एजेंट उनका स्कूल का सहपाठी था।

खड़गे बोले- चीनी आयात हो रही ये कैसा आत्मनिर्भर भारत

● बढ़ती कीमतों पर सरकार से 3 सवाल ● 3 महीने में 19 महंगी, दाम 40% बढ़े

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को चीनी की बढ़ती कीमतों और स्टॉक की कमी को लेकर केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने X पर पोस्ट कर कहा कि त्योहारों से पहले मोदी सरकार की नीतियों की कड़वाहट चीनी की मिठास में घुल गई है। खड़गे ने सरकार से सवाल किया कि दुनिया के बड़े चीनी उत्पादक और निर्यातक भारत में चीनी का स्टॉक 9 साल के निचले स्तर पर क्यों पहुंच गया। उन्होंने 10 लाख टन चीनी ड्यूटी-फ्री आयात करने की नौबत पर भी सवाल उठाया। खड़गे ने सरकार से 3 सवाल करते हुए पूछा कि ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है और दूसरी तरफ गन्ने को पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल में झोंका जा रहा है।

देश के कई शहरों में चीनी की कीमत 70 रुपए किलो तक पहुंच गई है। पिछले 3 महीने में इसके दाम करीब 40% यानी 19 प्रति किलो तक बढ़े हैं। कीमत कम करने के लिए केंद्र ने 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन रॉ शुगर बिना ड्यूटी के आयात करने की मंजूरी दी है।

मिलों के पास शुरुआती स्टॉक भी पिछले साल के मुकाबले कम हुआ है। पिछले सीजन में पेराई शुरू होने से पहले मिलों के पास 47 लाख टन चीनी थी, जो इस बार घटकर 32 लाख टन रह गई है।

तीन महीने में गुड़ के दाम भी 24% तक बढ़े... चीनी के अलावा तीन महीने में गुड़ 24%, चावल 16% और मक्के का आटा 11% तक महंगा हुआ है। चीनी के दाम बढ़ने की एक वजह मिलों के पास बचे स्टॉक में कमी भी बताई जा रही है।

झारखंड की सीमेंट फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 इंजीनियरों की मौत

● यूनिट इन्चार्ज का आरोप- ओवरहीटिंग के चलते हादसा हुआ, कई बार U C लगाने का कहा था

रामगढ़ ,एजेंसी। झारखंड के रामगढ़ के बरकाकाना में मां छिन्नमस्तिका सीमेंट एंड इस्पात फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री में काम के दौरान अचानक टरबाइन ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि प्लांट में भीषण आग लग गई। हादसे में 3 इंजीनियर्स की झुलसने से मौत हो गई। एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। यूनिट इन्चार्ज का कहना है कि ओवरहीटिंग के चलते हादसा हुआ। प्रबंधन से कई बार AC लगाने का कहा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

मृतकों की पहचान रांची के संजीव कुमार केसरी (50), बोकारो के जगेश्वर बिहार के विनीत महतो (25) और गढ़वा निवासी अभिषेक पांडेय (24) के रूप में हुई है। घायल मजदूर तरुण रजवार को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद शनिवार सुबह स्थानीय ग्रामीण भी बड़ी संख्या में फैक्ट्री के सामने इकट्ठा हुए।

ग्रामीणों ने हादसे में मारे गए कर्मचारियों के आश्रितों को उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की है। ग्रामीण फैक्ट्री गेट जाम करने की तैयारी में हैं। तीनों के शव वापस फैक्ट्री के पास लाया जा रहा है।

ग्रामीणों की मांग- मृतकों के आश्रितों को मुआवजा, नौकरी दें ... ब्लास्ट और आग लगने की सूचना मिलते ही फैक्ट्री प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद रामगढ़ से चार-पांच फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गईं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद फैक्ट्री के पावर प्लांट में लगी आग पर काबू पाया। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर में देर रात तक अफरा-तफरी का माहौल रहा।

ट्रक से टकराई कार के परखच्चे उड़े, 3 की मौत, 8 गंभीर

» नागपुर से कुबेरेश्वर धाम जा रहे थे 11 लोग

मुलताई (बैतूल),एजेंसी। बैतूल जिले के मुलताई फोरलेन पर जीतू ढाबे के पास एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर ही पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा शनिवार तड़के 3:30 बजे का बताया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक, कार में सभी श्रद्धालु थे, जो नागपुर (महाराष्ट्र) के पास बुट्टी बोरी कोल माइंस एरिया के रहने वाले हैं। ये लोग सीहोर के कुबेरेश्वर धाम दर्शन करने के लिए जा रहे थे। पुलिस ने आशंका जताई है कि झपकी आने के कारण कार ड्राइवर सड़क किनारे खड़ा ट्रक नहीं देख पाया होगा और हादसे का शिकार हो गया। हालांकि, सही वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

मृतकों की पहचान 40 वर्षीय छाया राउत, 42 वर्षीय दीपक राउत और प्रभा करदाते (48) के रूप में हुई है। छाया और दीपक पति-पत्नी थे।

ट्रम्प ने कनाडा पर 50% टैरिफ लगाया तीन दिन की बातचीत बेनतीजा

» पीएम कार्नी बोले- US ने आखिरी समय शर्तें बदली

वॉशिंगटन डीसी/ ओटावा ,एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच 3 दिन तक चली ट्रेड डील की बातचीत नाकाम रही। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार आधी रात से कनाडा के 20 अरब डॉलर (करीब 1.9 लाख करोड़ रुपए) के सामान पर 50% टैरिफ लागू कर दिया। यह टैरिफ कनाडा के अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामान का करीब 5% है। अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों ने वॉशिंगटन डीसी में तीन दिन की बातचीत की थी, लेकिन व्यापार समझौता फाइनल नहीं हो सका। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिका जितना टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतना ही जवाब देगा।

USTR के मुताबिक, उन्होंने कनाडा को किसी भी बड़े एक्सपोर्टर के मुकाबले सबसे अच्छा ऑफर दिया था। लेकिन कनाडा की नई मांगों और पहले किए गए वादों से पीछे हटने की वजह से यह डील नहीं हो पाई।

USTR ने आगे कहा कि अगर यह डील होती तो इससे एयरोस्पेस में सप्लाई चेन कोऑर्डिनेशन, गलत ट्रेड प्रैक्टिस से निपटने के लिए जरूरी कदम, खनिजों पर सहयोग, और S-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट (USMCA) बातचीत की घोषणा जैसे नतीजे सामने आते।

अमेरिका बोला- अच्छा ऑफर दिया था, उन्होंने मौका गंवाया... दोनो देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो पाने के बाद अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (STR) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि कनाडा ने अमेरिका के साथ पार्टनशिप का बहुत अच्छा मौका गंवा दिया है।

बद्दी में बनी 82 दवाओं के सैंपल फेल

इनमें हृदय रोग, दर्द-बुखार की मेडिसिन भी

» सेवन से मरीज की जान भी जा सकती है

सोलन,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में बनी 82 दवाओं और देशभर की 240 मेडिसिन के सैंपल फेल हुए हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) की जांच में ये दवाएं गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरीं। देशभर में फेल हुए कुल सैंपलों में करीब एक तिहाई हिस्सेदारी हिमाचल में बनी दवाओं की है।

फेल हुए 82 सैंपलों में 52 दवाएं अकेले बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ (BBN) के उद्योगों में बनी हैं। इससे देश के बड़े फार्मा हब BBN में दवाओं की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं। फेल दवाओं में हार्ट, बुखार, दर्द, बैक्टीरियल इन्फेक्शन, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, गैस-एसिडिटी, एनीमिया, एलर्जी, त्वचा रोग और उल्टी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं शामिल हैं। अनजाने में इनके इस्तेमाल से मरीज की मौत भी हो सकती है। विटामिन और कैल्शियम की दवाओं के सैंपल भी फेल हुए है। फेल सैंपलों में टैबलेट के अलावा इंजेक्शन, सिरप, क्रीम और जैल भी शामिल हैं।

CDSCO की ओर से जारी जुलाई के ड्रग अलर्ट में शामिल हिमाचल में निर्मित दवाएं बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़, पांवटा साहिब, कालाअंब, मोगीनंद, मैहतपुर, बाथू-हरोली, नूरपुर, संसारपुर टैरेस, कुमारहट्टी और सुबाथू स्थित उद्योगों में बनी हैं।

एंटीबायोटिक भी गुणवत्ता जांच में फेलः बैक्टीरियल संक्रमण के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कई एंटीबायोटिक दवाएं भी जांच में फेल हुई हैं।

इनमें एमोक्सिसिलिन, एमोक्सिसिलिन- पोटेशियम क्लैवुलनेट, सेफिक्सिम, सेफपोडोक्सिम, ऑफ्लॉक्सासिन और एजिथ्रोमाइसिन से जुड़े उत्पाद शामिल हैं।

हार्ट, बीपी और डायबिटीज की दवाएं भी सूची में... हृदय रोगों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली क्लोपिडोग्रेल-एस्पिरिन, एटोरवास्टेटिन-क्लोपिडोग्रेल और कार्वेडिलोल के सैंपल भी गुणवत्ता जांच में फेल हुए हैं। इन दवाओं का इस्तेमाल ब्लड क्लॉट का खतरा कम करने, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने, हाई BP और हृदय रोगों के इलाज में किया जाता है।

वाराणसी के सभी घाट डूबे, छतों पर आरती-अंतिम संस्कार

● दिल्ली में इस महीने सामान्य से ज्यादा बारिश ● राजस्थान में मानसून कमजोर, तापमान 40 डिग्री के करीब

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से गंगा और घाघरा समेत 6 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। लखनऊ-बाराबंकी समेत 5 शहरों में शनिवार सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। वाराणसी में सभी 84 घाट डूब गए हैं। मणिकर्णिका घाट की छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। दशाश्वमेध घाट की गंगा आरती भी छत पर कराई जा रही है। दिल्ली में शुक्रवार रात से रुक-रुककर बारिश जारी है। महीना खत्म होने से पहले अगस्त में सामान्य से ज्यादा बारिश हो चुकी है। सफदरजंग मौसम केंद्र में 1 से 21 अगस्त के बीच 235.3 मिमी बारिश दर्ज हुई, जबकि अगस्त की सामान्य बारिश 233.1 मिमी है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में वीकेंड पर भी बारिश जारी रह सकती है। उधर, राजस्थान में मानसून कमजोर पड़ गया है। शुक्रवार को 15 जिलों में बारिश का अलर्ट था, लेकिन 11 जिलों में तेज धूप निकली। बाकी 4 जिलों में भी 10 मिमी से कम बारिश हुई। इससे गर्मी और उमस बढ़ गई है। शुक्रवार को श्रीगंगानगर में 39.9ए और चूरू में 39ए तापमान रिकॉर्ड हुआ।

मध्य प्रदेश में 3 मानसूनी सिस्टम एक्टिव हैं। रीवा-सीधी के पास लो प्रेशर एरिया, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश से मानसून ट्रफ और दक्षिणी-पश्चिमी मध्य प्रदेश में चक्रवाती घेरा बना हुआ है। इसके चलते सिवनी-बालाघाट में भारी बारिश, 14 जिलों में यलो अलर्ट है। बढ़ते पानी को देखते हुए जिला प्रशासन ने गंगा में सभी छोटी-बड़ी नावों के संचालन पर रोक लगा दी है। घाटों के कई रास्ते और रिवरफ्रंट के हिस्से डूबने से एक घाट से दूसरे घाट तक आवाजाही भी प्रभावित हुई है।

वाराणसी में गंगा उफान पर, नाव सेवा बंद; जलस्तर 68.74 मीटर पहुंचा... वाराणसी में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। शनिवार को नदी का पानी 68.74 मीटर तक पहुंच गया। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक, जलस्तर 20 मिलीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। खतरे का निशान 71.26 मीटर है।

रूस से पांचवीं पीढ़ी के सुखोई- 57 ले सकता है

100+ सुखोई-30 एमकेआई भी अपग्रेड होंगे

» पुतिन के दौरे में डिफेंस डील संभव

नई दिल्ली,एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 12-13 सितंबर को दिल्ली में होने वाले BRICS शिखर सम्मेलन में शामिल होने भारत आएंगे। इस दौरान भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग से जुड़े दो बड़े प्रस्तावों पर चर्चा हो सकती है।

पहला प्रस्ताव 100 से ज्यादा सुखोई-30MKI फाइटर जेट को रूसी तकनीकी मदद से अपग्रेड करने का है। इसमें इंजन, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और हथियारों की क्षमता बढ़ाई जा सकती है, जिससे विमानों की ताकत और मारक क्षमता बढ़ेगी। फिलहाल भारत 63 हजार करोड़ रुपए में 84 सुखोई-30MKI को 'सुपर सुखोई' बना रहा है।

रूस पांचवीं पीढ़ी का सुखोई Su-57 स्टेल्थ फाइटर भीर भारत को देने की पेशकश कर सकता है। साथ ही इसके भारत में जॉइंट प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी देने का प्रस्ताव भी रखा जा सकता है।

रूसी एक्सपर्ट्स की टीम HAL का दौरा किया: रक्षा सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाले सुखोई-30MKI के अपग्रेड को लेकर रूसी एक्सपर्ट्स की टीम HAL की नासिक यूनिट का दौरा कर चुकी है। इस अपग्रेड के लिए भारत और रूस के बीच अलग समझौता होना है।

सुखोई-57 के संयुक्त प्रोजेक्ट से भारत 2018 में अलगः भारत-रूस पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान पर पहले भी साथ काम कर चुके हैं। दोनों देशों ने 2007 में संयुक्त रूप से ऐसा फाइटर विकसित करने की परियोजना शुरू की थी, लेकिन भारत 2018 में इससे अलग हो गया। अब रूस एक बार फिर सुखोई-57 के जरिए भारत के सामने पांचवीं पीढ़ी के फाइटर का विकल्प रख रहा है।

भारत का अपना 5वीं पीढ़ी का फाइटर 2032 तक... भारत अपना पांचवीं पीढ़ी का फाइटर खुद बना रहा है, पर 2032 तक यह विकसित हो सकता है। इसी अंतराल ने सुखोई-57 जैसे विकल्प को जरूरी बनाया है। दूसरी ओर चीन स्टेल्थ फाइटर विकसित कर चुका है और पाकिस्तान को भी ऐसा विमान दे रहा है। इसलिए भी पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट हमारे लिए जरूरी हो गया है।

नई भाजपा टीम के साथ नितिन नवीन की पहली बैठक

वंदे मातरम के सभी 6 अंतरे गाए गए, आगामी चुनावों और युवाओं को जोड़ने पर चर्चा हुई

नई दिल्ली,एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को पार्टी की 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम के साथ पहली बैठक की। इसमें आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी, बूथ और जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत करने, युवाओं को जोड़ने और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में हुई।

बैठक से पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी 6 अंतरे गाए गए। नितिन नवीन दोपहर में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, प्रदेश अध्यक्षों और प्रदेश प्रभारियों के साथ भी बैठक करेंगे। नवीन ने भाजपा अध्यक्ष बनने के 209 दिन बाद 17 अगस्त को 65 सदस्यीय नई टीम का ऐलान किया था। इसमें 51 नए चेहरे शामिल हैं। टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और 8 राष्ट्रीय महासचिव हैं। नई टीम में अगले साल चुनाव वाले 4 राज्यों के 18 नेताओं को भी जगह दी गई है। इनमें उत्तर प्रदेश से 8, उत्तराखंड से 4, गुजरात से 4 और पंजाब से 2 नेता शामिल हैं। पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और बीएल संतोष को संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी पर बरकरार रखा गया है।

नई टीम में स्मृति-राम माधव की वापसी, कई बड़े चेहरों को जिम्मेदारी... टीम में स्मृति ईरानी और राम माधव की वापसी हुई है। वहीं, वसुंधरा राजे, बैजयंत पांडा और तीरथ सिंह रावत जैसे अनुभवी नेताओं को भी अहम जिम्मेदारियां मिली हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का 9km का बचा हिस्सा भी खुला

● आश्रम से कालिंदी कुंज और फरीदाबाद का सफर आसान

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के दिल्ली वाले हिस्से पर सफर को और आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। डीएनडी महारानी बाग से जैतपुर पुश्ता रोड तक एक्सप्रेसवे के बचे हुए नौ किलोमीटर हिस्से को शुक्रवार को ट्रायल के तौर पर यातायात के लिए खोल दिया गया। हालांकि, लोगों को इसकी जानकारी कम होने के कारण पहले दिन इस मार्ग पर बहुत कम वाहन दौड़े। ट्रायल के दौरान मार्ग पर ट्रैफिक के दबाव और सुरक्षा मानकों को परखा जा रहा है। इसका आधिकारिक उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया जाना तय है और इसकी तिथि की घोषणा जल्द हो सकती है।

आश्रम से कालिंदी कुंज तक सफर होगा आसान: दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के बचे हुए इस नौ किलोमीटर हिस्से को कालिंदी कुंज से आश्रम के बीच भी ट्रायल के तौर पर यातायात के लिए खोला गया है। नए रास्ते का इस्तेमाल शुरू होने से आश्रम से कालिंदी कुंज, सराय काले खां और फरीदाबाद आने-जाने वाले यात्रियों को सरिता विहार, मोहन एस्टेट और मथुरा रोड के भारी ट्रैफिक जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। परियोजना निदेशक, एनएचएआइ धीरज सिंह ने बताया कि इस हिस्से को ट्रायल के तौर पर यातायात के लिए खोला गया है। इस दौरान ट्रैफिक के दबाव और सुरक्षा मानकों को परखा जा रहा है।

दिल्ली को जाम और प्रदूषण से राहत देने की योजना: केंद्र में भाजपा सरकार बनने के अगले वर्ष ही राजधानी दिल्ली को जाम मुक्त करने का प्लान बनाया गया था। इसका उद्देश्य ईज आफ मोबिलिटी और पॉल्यूशन फ्री करना था। इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है। कई योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि कई परियोजनाओं पर इस वर्ष अंत तक काम शुरू हो जाएगा। कुछ परियोजनाओं की डीपीआर जल्द फाइनल होने वाली हैं।

नोएडा एयरपोर्ट से भी जुड़ेगा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे

एक साल में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जेवर एयरपोर्ट से स्पर के जरिये जुड़ जाएगा। इसके साथ ही निर्माणाधीन फरीदाबाद-जेवर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे भी फरीदाबाद से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर करेगा। इस ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की लंबाई 32 किलोमीटर है। इसमें नौ किलोमीटर हिस्सा उत्तर प्रदेश की सीमा में और 23 किलोमीटर हरियाणा की सीमा में है। यह फरीदाबाद को सीधे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ेगा।

सेक्टर-65 की ओर आठ किमी हिस्सा होगा एलिवेटेड

फरीदाबाद-जेवर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे को सेक्टर-65 की तरफ से आठ किलोमीटर एलिवेटेड बनाया जा रहा है, ताकि शहर का मास्टर प्लान प्रभावित न हो। यूपी की सीमा में एयरपोर्ट से लेकर हरियाणा में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे तक का काम सितंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके आगे फरीदाबाद सेक्टर-65 तक के हिस्से का निर्माण कार्य जनवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

फरीदाबाद से जेवर का सफर 25 मिनट में : अभी फरीदाबाद से जेवर जाने के लिए करीब 40 किलोमीटर का सफर करना पड़ता है। इसमें करीब सवा से डेढ़ घंटे का समय लगता है। यह रास्ता यमुना नदी पर बने मोहना पुल से होकर जाता है। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनने के बाद नोएडा एयरपोर्ट पहुंचने में सिर्फ 25 मिनट लगेंगे।

इलाज के लिए वंतारा पहुंची हथनी जायमोती, नगालैंड में बाढ़ से किया गया था रेस्क्यू

जामनगर, एजेंसी। नगालैंड में आई भयानक बाढ़ से बचाई गई 53 साल की हथनी जायमोती को खास इलाज के लिए गुजरात के जामनगर स्थित वंतारा एयरलिफ्ट किया जा रहा है।

जुलाई के दूसरे सप्ताह में नगालैंड में बाढ़ के पानी में जायमोती बह गई थी। बाद में सरकारी एजेंसियों की मदद से स्थानीय लोगों ने उसे बचाया। इस दौरान वह चोटिल हुई थी। उसकी आंखें भी खराब हो गई हैं। उसके पिछले बाएं पैर में भी लंबे समय से चोट है। बचाए जाने के बाद जायमोती को स्थानीय स्तर पर प्राथमिक चिकित्सा और इलाज मिला, जिसमें घाव की ड्रेसिंग, दर्द की दवा, मल्टीविटामिन और मिनरल सप्लीमेंट और सहायक इलाज शामिल था। हालांकि, उसकी चोटों की गंभीरता और कई जगहों पर चोट होने, उसकी बढ़ती उम्र और चलने-फिरने में पहले से मौजूद दिक्कतों को देखते हुए उसे एक खास अस्पताल में तुरंत इलाज की जरूरत है।जायमोती को वंतारा ले जाने का मकसद केवल तुरंत और खास इलाज देना है। उसे एयरलिफ्ट करने का फैसला उसकी भलाई और मेडिकल जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया गया है। वंतारा पहुंचने पर जायमोती की पूरी जांच की जाएगी और उसके चोटों और आंख की हालत का खास इलाज किया जाएगा। अस्पताल में खास देखभाल के लिए हवाई जहाज से हाथी को ले जाने का भारत में अपनी तरह का पहला मामला है। वनतारा ने असम में तीन वाइल्डलाइफ वेटेरिनरी केयर सेंटर बनाने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें हाथियों के लिए एक खास सेंटर भी शामिल है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा गुजरात के जामनगर में शुरू किया गया एक विश्व स्तरीय वन्यजीव बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र है। लगभग 3,500 एकड़ में फैला यह केंद्र घायल और संकटग्रस्त जानवरों को सुरक्षित आश्रय, अत्याधुनिक चिकित्सा और प्राकृतिक माहौल प्रदान करता है।

हाफिज सईद समेत कई आतंकियों के खिलाफ चलेगा मुकदमा, पुलिस ने गृह मंत्रालय से मांगी इजाजत

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद और ज़की-उर-रहमान लखवी समेत छह फरार आरोपितों के विरुद्ध इंटरपोल के जरिये कोर्ट के घोषणा आदेश तामील कराने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क किया है। इससे 26/11 आतंकी हमलों में उनकी भूमिका के लिए उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने का रास्ता साफ हो गया है। विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम ने शुक्रवार को पुलिस की ओर से एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपी। यह रिपोर्ट इस वर्ष जुलाई में फरार आरोपितों के विरुद्ध जारी घोषणा आदेश और उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने की प्रक्रिया शुरू करने के बारे में है। निकम ने विशेष अदालत को बताया, हमने पाकिस्तान में रह रहे आरोपितों के विरुद्ध इंटरपोल के जरिये घोषणा आदेश तामील कराने के लिए ज़रूरी कदम उठाने के लिए गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा, तीन अगस्त को गृह मंत्रालय ने हमारी अपील स्वीकार कर ली थी और इस मामले की स्थिति बताने के लिए समय मांगा था। अदालत ने सईद, लखवी और अन्य फरार आरोपितों साजिद मीर, अबू अलकामा, आसिम उर्फ अबू कहफा और मेजर अब्दुर रहमान पाशा के विरुद्ध घोषणा आदेश जारी किए थे।

सब ड्रामे कर रहे हैं, कुछ भी नहीं, सॉफ्टवेयर पति की मौत पर बोली बेरहम पत्नी, पीट-पीटकर मार डाला

नईदिल्ली, एजेंसी। निहाल विहार के लक्ष्मी पार्क में सॉफ्टवेयर इंजीनियर विनय गुप्ता की पीट-पीटकर हत्या के मामले में उनकी पत्नी रेखा पर स्वजन ने गंभीर और संवेदनहीनता के आरोप लगाए हैं। स्वजन का आरोप है कि जब विनय की मां हमलावरों से बेटे की जिंदगी की भीख मांग रही थीं, तब रेखा ने उनका हाथ पकड़कर उन्हें कमरे से बाहर कर दिया। आरोप है कि विनय के गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी रेखा ने उसकी मदद नहीं की। वहीं, विनय की मौत की जानकारी मिलने पर रेखा ने कहा, सब ड्रामे कर रहे हैं, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। मुझे डराने के लिए झूठ बोला जा रहा है।

विवाद के बाद रेखा ने पिता और भाइयों को बुलाया: स्वजन के मुताबिक, शुक्रवार सुबह पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद रेखा ने अपने पिता ज्ञान चंद, भाइयों राजकुमार और सोनू, एक भाई की पत्नी तथा दो अन्य लोगों को घर बुलाया। उस समय घर में विनय और उनकी मां मौजूद थीं। विनय की मां नीचे ग्राउंड फ्लोर पर थीं। उनके मुताबिक, रेखा के पिता और भाई समेत अन्य लोग कार से घर पहुंचे और बिना उनसे कोई बातचीत किए सीधे पहली मंजिल पर स्थित विनय के कमरे में चले गए।

कमरे से चीखने की आवाज सुनकर ऊपर पहुंचीं मां: कुछ देर बाद विनय की मां ने कमरे से चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनी। उन्हें लगा कि विनय को पीटा जा रहा है। इसके बाद उन्हें विनय की मदद के लिए आवाज सुनाई दी। वह ऊपर कमरे में पहुंचीं तो स्वजन के अनुसार वहां सभी लोग विनय को घेरे हुए थे और उसके साथ मारपीट कर रहे थे। स्वजन का आरोप है कि रेखा पास में खड़ी थी और उन्हें रोकने के बजाय कथित तौर पर उकसा रही थी। विनय ने अपनी मां को देखकर कमरे से बाहर आने की कोशिश की, लेकिन आरोप है कि लोगों ने उसे पकड़ लिया।

मां को कमरे से बाहर करने का आरोप

स्वजन के मुताबिक, विनय की मां ने उसे बचाने की कोशिश की तो रेखा ने उनका हाथ पकड़कर उन्हें कमरे से बाहर कर दिया। वह लोगों से विनय को छोड़ने की गुहार लगाती रहीं, लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। इसके बाद उन्होंने पड़ोसियों को आवाज लगानी शुरू की। पड़ोसियों के आने की आहट होने पर सभी लोग वहां से भागने लगे। स्वजन के अनुसार, पकड़े जाने के डर से आरोपित उस कार को भी मौके पर छोड़ गए, जिससे वे वहां पहुंचे थे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी मौत की वजह : पुलिस के अनुसार, अभी विनय की मौत की सही वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह की जानकारी मिल सकेगी। पुलिस सभी आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

जनगणना कार्य से इनकार नहीं कर सकते शिक्षक, हाई कोर्ट ने कहा- स्कूल ड्यूटी पर ही माने जाएंगे

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य के लिए प्रतिनियुक्त किए गए शिक्षकों को स्कूल ड्यूटी पर ही माना जाएगा और वे इस जिम्मेदारी से इनकार नहीं कर सकते। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने शिक्षकों को जनगणना कार्य में लगाए जाने से संबंधित याचिकाओं का निपटारा करते हुए कहा कि यदि जनगणना संचालन निदेशक और प्रभारी अधिकारी शिक्षकों की सेवाएं लेना चाहते हैं तो स्कूल के प्रधान को कार्य की तारीख, समय और स्थान की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। अदालत ने आगे कहा कि जनगणना अधिकारियों से अनुरोध मिलने के बाद संस्थान प्रमुख को संबंधित शिक्षकों को जनगणना कार्य के लिए जाने की अनुमति देनी होगी। साथ ही स्कूल में उपलब्ध अन्य शिक्षकों के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। जनगणना ड्यूटी करने वाले शिक्षक जनगणना अधिनियम की धारा 15ए के प्रावधानों के तहत स्कूल ड्यूटी पर माने जाएंगे।

अमेरिका में भारतीय खाना ट्रेंड में, पाकिस्तान में चाट और ढाका में साड़ी की मांग क्यों बढ़ी

न्यूयॉर्क/लाहौर/ढाका, एजेंसी। भारतीय खानपान और पहनावे का आकर्षण अब भारत की सीमाओं से बाहर भी साफ दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे और मुगलई व्यंजन पसंद किए जा रहे हैं, जबकि ढाका की शादियों में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियों की मांग बनी हुई है। अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय भोजन प्रमुख खानपान रुझानों में शामिल हुआ है। ऐसे में सवाल है कि क्या सांस्कृतिक पसंद राजनीतिक सीमाओं से ज्यादा मजबूत साबित हो रही है भारतीय संस्कृति का असर खानपान और पहनावे के जरिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दिखाई दे रहा है। अमेरिका से लेकर पाकिस्तान और बांग्लादेश तक भारतीय व्यंजन और पारंपरिक परिधान लोगों की पसंद बन रहे हैं। पाकिस्तान के लाहौर और कराची में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे, मुगलई व्यंजन और कोलकाता काठी रोल आकर्षण का केंद्र हैं। दूसरी तरफ ढाका में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियां खासतौर पर शादियों में पसंद की जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए दिलचस्प है क्योंकि राजनीतिक स्तर पर मतभेदों के बावजूद लोगों की सांस्कृतिक पसंद अलग दिशा में चलती दिखाई दे रही है।

अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय खाने की मांग क्यों बढ़ी: अमेरिका में भारतीय भोजन की तस्वीर पिछले कुछ समय में बदली है। भारतीय खाना पहले अक्सर सामान्य करी तक सीमित समझा जाता था, लेकिन अब अमेरिकी उपभोक्ताओं की दिलचस्पी भारत के अलग-अलग क्षेत्रों के व्यंजनों में बढ़ रही है। 2026 के खानपान रुझानों में क्षेत्रीय भारतीय व्यंजनों को शीर्ष पांच में जगह मिली है। अमेरिकी शहरों में भारतीय रेस्तराओं की खोज और बुकिंग में भी तेजी देखी गई है। अब ग्राहक केवल सामान्य भारतीय करी नहीं खोज रहे, बल्कि अलग-अलग इलाकों के खास स्वाद आजमाना चाहते हैं।

केरल के नारियल, करी पत्ते, हींग और समुद्री भोजन जैसे स्वाद भी लोगों की पसंद में उभर रहे हैं। इससे भारतीय भोजन की पहचान क्षेत्रीय विविधता के साथ और व्यापक होती दिखाई देती है।

दिन-रात काम फिर भी नहीं पल रहा परिवार, क्या चीन के गिग वर्कर्स का सपना टूट रहा सरकार की नजरें टेढ़ी

यान जुआंग, एजेंसी। चीन में आर्थिक दबाव और कठिन कामकाजी हालात अब केवल आंकड़ों या रोजगार के सवाल तक सीमित नहीं रह गए हैं। इनका असर वहां के श्रमिकों की लिखी कविताओं और किताबों में भी दिखाई देने लगा है। फूड डिलीवरी बॉय, कूरियर कर्मचारी और फैक्ट्री मजदूर अपनी रोजमर्रा की परेशानियों, कम आमदनी और परिवार से दूरी को साहित्य के जरिए सामने ला रहे हैं। यह श्रम साहित्य चीन के मध्य वर्ग और युवाओं के बीच भी जगह बना रहा है। इसकी वजह यह है कि बहुत से लोगों को इन रचनाओं में अपनी जिंदगी की झलक दिखाई देती है।

क्यों साहित्य में उतर रही है मजदूरों की मुश्किल जिंदगी: फूड डिलीवरी ड्राइवर रहे वांग जिबिंग की कविताएं चीन के श्रमिक जीवन की इसी तस्वीर को सामने रखती हैं। उनकी एक कविता में ऐसे डिलीवरी कर्मचारी की जिंदगी दिखाई गई है, जो दूसरे शहर में रहकर दिन-रात काम करता है। उसके लिए हर मिनट का मतलब एक और ऑर्डर पूरा करना है, लेकिन इतनी मेहनत के बाद भी परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। घर से दूर रहने के कारण वह अपने बच्चे से भी दूर होता जाता है। यह कहानी अकेले एक व्यक्ति की नहीं मानी जा रही, बल्कि चीन में काम कर रहे कई प्रवासी मजदूरों और गिग वर्कर्स की स्थिति को दिखाती है। ऐसे श्रमिक साहित्य में आर्थिक दबाव, थकान, अपमान और बेहतर जीवन की अधूरी उम्मीद जैसे विषय लगातार सामने आ रहे हैं।

क्या गिग वर्कर्स और फैक्ट्री मजदूरों की आवाज अब दबाना मुश्किल हो रहा है: चीन में कई मजदूर, डिलीवरी कर्मचारी और फैक्ट्री वर्कर अपनी वास्तविक जिंदगी को कहानियों और कविताओं में बदल रहे हैं। युवाओं में बेरोजगारी की ऊंची दर और बेहतर जीवन की उम्मीदों के कमजोर पड़ने से इस साहित्य की मांग बढ़ रही है। इन रचनाओं में वे कठिनाइयां सामने आती हैं, जिन्हें सरकारी नियंत्रण वाले मीडिया में बहुत कम जगह मिलती है। श्रमिक साहित्य के बढ़ते प्रभाव से चीन के अधिकारी भी इसके प्रति सतर्क बताए जा रहे हैं। इसकी खास वजह यह है कि ये रचनाएं किसी राजनीतिक भाषण की तरह नहीं, बल्कि सीधे उस व्यक्ति की जिंदगी से निकलती हैं जो रोज काम करता है, कमाता है और अपने परिवार को चलाने की कोशिश करता है।

कनाडा पर फूटेगा ट्रंप का टैरिफ बम: यूएस के साथ व्यापार वार्ता नाकामयाब, कनाडाई उत्पादों पर लगेगा 50 प्रतिशत शुल्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका शनिवार तड़के कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला है। आखिरी समय में हुई बातचीत के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति नहीं बन सकी। इससे पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास बढ़ गई है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शनिवार आधी रात से कुछ देर पहले पत्रकारों के साथ एक कॉल में पढ़े गए बयान में कहा, कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में तय शर्तों के तहत व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। अमेरिका ने कनाडा को हमारे बाजार में किसी भी बड़े निर्यातक के मुकाबले सबसे बेहतर शर्तें देने की पेशकश की थी। इसके बावजूद कनाडा की नई मांगों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के कारण पिछले कुछ दिनों में बनाई गई संतुलित व्यवस्था बिगड़ गई।

व्यापार समझौते को लेकर क्या बोले मार्क कार्नी: कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जवाब दिया, अमेरिका की प्रस्तावित शर्तों में आखिरी समय में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह थे। उन्होंने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए जाने वाले आयात शुल्क से कनाडा से अमेरिका भेजे जाने वाले कुल उत्पादों में से करीब पांच प्रतिशत प्रभावित होंगे।

कनाडा के गुरुद्वारे में चाकूबाजी: सुबह की अरदास के दौरान मचा हंगामा; दो लोग घायल, पीएम कार्नी ने जताई संवेदनाएं

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के एडमंटन स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा में शादी समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना के दौरान एक व्यक्ति ने कथित तौर पर हंगामा किया। उसे काबू करने की कोशिश के दौरान हुई झड़प में दो पुरुषों पर चाकू से हमला हुआ। पुलिस ने एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया है और दोनों घायलों की चोटें गंभीर नहीं हैं। हमले की वजह और यह हेट क्राइम था या नहीं, इसकी जांच जारी है। घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह तय समय पर आयोजित किया गया।

सुबह 5 बजे के बाद गुरुद्वारे में मचा हड़कंप: यह घटना एडमंटन के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा मंदिर में सुबह 5 बजे के कुछ समय बाद हुई। एडमंटन पुलिस सर्विस ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉर्सहिल रोड के पास हुई घटना की सूचना मिलने पर अधिकारियों ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

आपातकालीन सेवाओं ने दो घायलों का इलाज किया। दोनों को लगी चोटों को जानलेवा नहीं बताया गया है।

हमले के पीछे की वजह अभी साफ नहीं: पुलिस ने अभी तक हमले के पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि मामले की जांच संभावित घृणा-प्रेरित अपराध यानी हेट क्राइम के तौर पर की जा रही है या नहीं।

शादी से पहले प्रार्थना में घुसा आरोपी: गुरुद्वारा प्रतिनिधि हरमीत सहगल ने बताया कि एक व्यक्ति गुरुद्वारे के अंदर आया और बाद में होने वाली शादी से पहले चल रही सुबह की प्रार्थना में बाधा डालने लगा। ग्लोबल न्यूज के मुताबिक, सहगल ने कहा, ÷वह अंदर आया और हंगामा करने लगा। हमारी सुबह की प्रार्थना बाधित हो गई। जो लोग प्रार्थना कर रहे थे, उन्होंने इस व्यक्ति को देखा। ऐसा लग रहा था कि वह यहां आने वाला कोई सामान्य श्रद्धालु नहीं था।÷

समझाने की कोशिश नाकाम, हाथापाई के बाद चाकूबाजी: सहगल के मुताबिक, प्रार्थना करा रहे लोगों ने पहले उस व्यक्ति से बात कर उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, %वह व्यक्ति किसी की बात नहीं सुन रहा था। इसलिए उन्होंने उसे काबू करने की कोशिश की। उसने भी इसका विरोध किया।% सहगल ने बताया कि आखिरकार लोगों ने उसे काबू कर लिया और उसी दौरान पुलिस को बुलाया गया।

झड़प में दो लोगों को चाकू मारा गया: इसी टकराव के दौरान दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। सहगल ने बताया कि हमले के बाद दोनों घायल होश में थे। उन्होंने कहा, आखिरी बार जब मैंने सुना, तब दोनों बात कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों घायलों की हालत गंभीर नहीं है और उनकी चोटें जानलेवा नहीं बताई गई हैं।

हिंसा के बावजूद समय पर हुआ शादी समारोह: सुबह हुई इस हिंसक घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह को रद्द नहीं किया गया। समारोह सुबह करीब 10-30 बजे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया गया। सहगल ने कहा कि राहत की बात यह रही कि गुरुद्वारे की संपत्ति को कोई खास नुकसान नहीं पहुंचा और विशेष रूप से सिख धर्मग्रंथ भी सुरक्षित रहे, जिन्हें समुदाय में बेहद पवित्र माना जाता है।

जांच से सामने आएगी घटना की असली वजह: गुरुद्वारा प्रतिनिधि ने कहा कि समुदाय के लोग अब पुलिस की जांच के जरिए यह जानने का इंतजार कर रहे हैं कि आखिर घटना की पूरी परिस्थिति क्या थी और इसके पीछे की वजह क्या रही। उन्होंने कहा, पुलिस ही यह तय करने में मदद करेगी। हर कोई यह जानने को उत्सुक है कि आखिर क्या हुआ और ऐसा क्यों हुआ।

खुशी के मौके पर छाया हमले का साया: वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन ऑफ कनाडा के प्रवक्ता हरमन कंडोला ने कहा कि चाकूबाजी की इस घटना ने उस समारोह की खुशी को फीका कर दिया, जो एक जश्न का अवसर होना था। कंडोला ने कहा,यह एक खुशी का मौका होना था, लेकिन अब हमें दो ऐसे लोगों की बात करनी पड़ रही है जो गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हिंसा को बेहद चिंताजनक बताया और घायलों तथा एडमंटन के सिख समुदाय के साथ एकजुटता जताई।

महर्षि अरविंद के राष्ट्रचिंतन से प्रेरणा लेकर समाज निर्माण का संकल्प

जिला स्तरीय व्याख्यानमाला में नशामुक्ति की शपथ, 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत त्रिवेणी का पौधारोपण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा महर्षि अरविंद घोष की जन्म जयंती पखवाड़े के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, सीधी में जिला स्तरीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम में महर्षि अरविंद के जीवन, राष्ट्रचिंतन, आध्यात्मिक दर्शन और उनके विचारों पर वक्ताओं ने विस्तार से प्रकाश डाला वक्ताओं ने कहा कि महर्षि अरविंद का चिंतन केवल स्वतंत्रता आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास को राष्ट्र के पुनर्निर्माण से जोड़ा उनके विचार आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा, चरित्र निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीधी विधायक रीती पाठक रहीं। अध्यक्षता मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के शासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी ने की जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं कार्यक्रम में संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक, संभाग अनुश्रवण एवं मूल्यांकन अधिकारी आनंद पाण्डेय और जिला समन्वयक मुकेश गौर की विशेष उपस्थिति रही।

राष्ट्र को जीवंत शक्ति मानते थे अरविंद: मुख्य वक्ता कृष्णकांत द्विवेदी ने कहा कि महर्षि अरविंद की राष्ट्रवाद की अवधारणा व्यापक थी वे भारत को केवल भूमि का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि एक जीवंत राष्ट्रशक्ति मानते थे उनका मानना था कि राष्ट्र का उत्थान केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से संभव नहीं है बल्कि इसके लिए व्यक्ति के चरित्र, चेतना और आत्मिक विकास का भी महत्वपूर्ण योगदान है उन्होंने कहा कि महर्षि अरविंद का दर्शन व्यक्ति की श्रेष्ठ शक्तियों के विकास और उन्हें समाज तथा राष्ट्र के कल्याण में लगाने की प्रेरणा देता है युवाओं को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सेवा, अनुशासन और आत्मनिर्माण को जीवन का आधार बनाना चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने कहा कि महर्षि अरविंद के विचारों में आध्यात्मिक चेतना के साथ सामाजिक दायित्व की भावना भी स्पष्ट दिखाई देती है उनका चिंतन हमें अपने जीवन को बेहतर बनाने के साथ समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी जैसे अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

राष्ट्र निर्माण की शुरुआत व्यक्ति निर्माण से: संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक ने कहा कि महर्षि अरविंद का चिंतन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण की शुरुआत व्यक्ति निर्माण से होती है व्यक्ति में अनुशासन, आत्मविश्वास, सेवा भावना और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा तो समाज और राष्ट्र भी मजबूत बनेगा उन्होंने कहा कि महर्षि अरविंद ने युवाओं में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने पर विशेष बल दिया था । आवश्यकता है कि उनके विचारों को केवल व्याख्यानों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि सामाजिक गतिविधियों, जनभागीदारी और सेवा कार्यों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जाए।

नशामुक्ति की दिलाई शपथ: कार्यक्रम के दौरान उपस्थितजनों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद सभी को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। उपस्थित लोगों ने स्वयं नशे से दूर रहने के साथ परिवार और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत पौधारोपण: कार्यक्रम के समापन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत त्रिवेणी का पौधारोपण किया गया इस दौरान उपस्थितजनों ने पौधों की देखभाल और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नवांकुर, प्रस्फुटन प्रभारी आनंद पाण्डेय, विकासखंड समन्वयक अनिल पाठक, प्रभुदयाल दहिया, पुष्पराज सिंह, पंकज पाण्डेय, जगदम्बा सोनी, मुनिराज विश्वकर्मा, कंचन केशरी, गोविंद प्रसाद गौतम, निशा सिंह एवं संगीता सिंह सहित जन अभियान परिषद के परामर्शदाता, नवांकुर संस्थाओं एवं प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, स्वैच्छिक संस्था प्रमुख, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र-छात्राएं और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

निराला नगर में कई घरों में घुसा बारिश का पानी, विकास कार्यों की खुली पोल

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। रीवा में शनिवार को हुई जोरदार बारिश ने नगर निगम के विकास कार्यों और जल निकासी व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए वार्ड क्रमांक-9 निराला नगर के राजीव मार्ग क्षेत्र में बारिश के बाद कई घरों में घुटनों तक पानी भर गया अचानक घरों में पानी घुसने से गृहस्थी का सामान भीग गया और लोगों को सुबह-सुबह अपने सामान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। वार्डवासियों के अनुसार तेज बारिश के दौरान क्षेत्र में जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। राजीव मार्ग के आसपास पानी भरने का प्रमुख कारण संकरी नाली और उसकी नियमित सफाई नहीं होना बताया जा रहा है स्थानीय लोगों का कहना है कि जब भी तेज बारिश होती है नाली की क्षमता कम होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पाती और नाली का पानी आसपास के घरों में प्रवेश करने लगता है।

वर्षों से नाली चौड़ीकरण की मांग : स्थानीय रहवासियों का कहना है कि नाली के चौड़ीकरण और बेहतर जल निकासी व्यवस्था के लिए कई बार वार्ड स्तर पर मांग की जा चुकी है इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका बारिश के मौसम में हर वर्ष लोगों को इसी तरह जलभराव की परेशानी का सामना करना पड़ता है वार्डवासियों का आरोप है कि समस्या से नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत कराया गया लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नाली का चौड़ीकरण और नियमित सफाई कराई जाती तो घरों में पानी भरने की स्थिति नहीं बनती।

जर्जर सड़क ने बढ़ाई परेशानी: जलभराव के साथ राजीव मार्ग की सड़क की स्थिति भी खराब बताई जा रही है स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क लंबे समय से जर्जर है आवागमन को सुचारु रखने के लिए कई रहवासियों ने अपने-अपने घरों के सामने निजी स्तर पर मटेरियल डलवाकर रास्ते को चलने योग्य बनाया है।

1872 करोड़ की जल परियोजना EOW जांच के दायरे में, 82' कागजी प्रगति का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के 785 गांवों में पेयजल पहुंचाने के लिए संचालित ?1872 करोड़ की बाणसागर परियोजना-2 अब आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) की जांच के दायरे में आ गई है। जल जीवन मिशन के तहत संचालित इस परियोजना में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायत के बाद EOW रीवा ने मध्य प्रदेश जल निगम सतना के महाप्रबंधक और ठेका कंपनी केईसी इंटरनेशनल के प्रोजेक्ट मैनेजर को नोटिस जारी किया है दोनों अधिकारियों को 2 और 3 सितंबर को आवश्यक दस्तावेजों के साथ EOW कार्यालय रीवा में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। यह परियोजना मझगवां, नागौद और सोहावल ब्लॉक के 785 गांवों में बाणसागर बांध से पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी मध्य प्रदेश जल निगम ने इसका काम केईसी इंटरनेशनल को 10 मार्च 2023 को सौंपा था। परियोजना को मार्च 2025 तक पूरा किया जाना था।

82% कागजी प्रगति का आरोप: परियोजना में कथित गड़बड़ी को लेकर शिकायतकर्ता शिवम त्रिपाठी ने आरोप लगाया है कि रिकॉर्ड में करीब 82 प्रतिशत काम पूरा होना दर्शाया गया है, जबकि कई स्थानों पर वास्तविक कार्य अधूरे हैं शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि अधूरे कामों को पूरा दर्शाकर भुगतान किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जल निगम भोपाल के चीफ महाप्रबंधक पीके गुरु ने पहले तीन सदस्यीय जांच टीम सतना भेजी थी टीम ने तीन दिन तक जिले में रहकर शिकायतकर्ता, जल निगम के पूर्व महाप्रबंधक नीरव अग्रवाल और केईसी इंटरनेशनल के अधिकारियों के बयान दर्ज किए। टीम ने मझगवां क्षेत्र के कई गांवों में पहुंचकर निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन भी किया।

भुगतान और सत्यापन के रिकॉर्ड तलब: अब EOW ने परियोजना से जुड़े दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी मांगी है। इसमें अब तक किए गए कार्य, कार्यों के सत्यापन से जुड़े अधिकारियों की जानकारी, ठेका कंपनी को किए गए भुगतान, अनुबंध, निर्माण अनुमतियां, निर्माण स्थलों और सड़कों की बहाली से संबंधित रिकॉर्ड शामिल हैं EOW की जांच में दस्तावेजों और मौके पर मिले निर्माण कार्यों के बीच अंतर की भी पड़ताल की जाएगी इसके साथ ही यह देखा जाएगा कि परियोजना की प्रगति का सत्यापन किन अधिकारियों ने किया और भुगतान किस आधार पर जारी किए गए जांच के बाद ही कथित अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जिला न्यायालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

'उल्लास-एक अभिनव प्रयोग' के तहत न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों और अधिवक्ताओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयागलाल दिनकर की अध्यक्षता में शनिवार को जिला न्यायालय परिसर स्थित ए.डी.आर. सेंटर भवन में 'उल्लास-एक अभिनव प्रयोग' के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया शिविर में जिला चिकित्सालय सीधी से आए चिकित्सा दल ने न्यायिक अधिकारियों, न्यायालयीन कर्मचारियों, अधिवक्ताओं और उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया आयोजन का उद्देश्य न्यायिक व्यवस्था से जुड़े लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

रक्त परीक्षण के साथ दी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी: शिविर के दौरान मुख्य रूप से रक्त परीक्षण किया गया। चिकित्सा दल ने उपस्थित लोगों के रक्त के नमूने लेकर आवश्यक जांच की चिकित्सकों ने रक्त परीक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने और संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान के महत्व के बारे में भी उपस्थितजनों को जानकारी दी चिकित्सा दल ने नियमित स्वास्थ्य जांच को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने की आवश्यकता पर जोर दिया शिविर में न्यायिक अधिकारियों, न्यायालयीन कर्मचारियों, अधिवक्ताओं और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

न्यायिक अधिकारी एवं अन्यजन रहे उपस्थित: शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागलाल दिनकर, विशेष न्यायाधीश यतीन्द्र कुमार गुरू, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीश मनीष कुमार श्रीवास्तव, तृतीय जिला न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार शर्मा, तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश राकेश जमरा और प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सतीशमणी त्रिपाठी उपस्थित रहे इसके अलावा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विनोद कुमार वर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सरिता चौधरी, सचिव अधिवक्ता संघ सीधी, न्यायालयीन कर्मचारी, अधिवक्ता एवं अन्य संबंधितजन भी शिविर में शामिल हुए।

4 गाय और बछड़े को बाढ़ के पानी में धकेला :रीवा के फूल गांव का वीडियो, पुलिस ने की पुष्टि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के फूल गांव में चार गायों और एक बछड़े को एक व्यक्ति पानी में धकेल दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। पुलिस ने वीडियो में दिखाई गई घटना की पुष्टि की है। वीडियो में एक व्यक्ति चार गायों और एक बछड़े को सड़क से तेज बहाव वाली जगह तक ले जाता दिखाई दे रहा है। इसके बाद वह पशुओं को बहते पानी में धकेलता नजर आ रहा है बताया जा रहा है कि बारिश के कारण फूल गांव में कई जगह पानी का तेज बहाव था इसी दौरान गाय और बछड़ा सड़क के आसपास थे आरोप है कि संबंधित व्यक्ति उन्हें बहाव वाली जगह तक ले गया और एक-एक कर पानी की ओर धकेल दिया। वीडियो सामने आने के बाद पशु प्रेमियों और स्थानीय लोगों में नाराजगी है वीडियो में चारों गाय पानी में बह गईं ीडियो में चारों गाय पानी में बह गईं तेज बहाव में फंसे पशु लोगों का कहना है कि तेज बहाव के बीच पशुओं को सुरक्षित जगह पहुंचाने के बजाय उन्हें पानी में धकेलना गंभीर मामला है वीडियो में चार गाय और एक बछड़ा बहते पानी में अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों ने मामले में कार्रवाई की मांग की है पुलिस ने वीडियो की पुष्टि की वीडियो वायरल होने के बाद मामला पुलिस के संज्ञान में आया। पुलिस ने वीडियो में सामने आई घटना की पुष्टि की है अब संबंधित व्यक्ति की पहचान और घटना से जुड़ी अन्य जानकारी जुटाई जा रही है आरोपियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्षक रीवा और कलेक्टर रीवा से मामले में कार्रवाई की मांग की है लोगों ने संबंधित व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और मध्यप्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम की लागू धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है स्थानीय लोगों का कहना है कि प्राकृतिक आपदा के समय पशुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की कोशिश होनी चाहिए उनका आरोप है कि इस मामले में इसके उलट पशुओं को जानबूझकर तेज बहाव में धकेला गया। अब लोगों की नजर पुलिस की आगे की कार्रवाई पर है।

समूह की ताकत और मेहनत से सुदूर अंचल की सुशीला ने संवारा अपना भविष्य स्व-सहायता समूह से जुड़कर मिला बैंक ऋण, मुर्गी पालन शुरू कर आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ीं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में स्व-सहायता समूह और आजीविका मिशन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं कुसमी विकासखंड के ग्राम रामपुर की सुशीला सिंह, पति उग्रसेन सिंह, ने समूह की ताकत, संस्थागत सहयोग और पति-पत्नी की मेहनत से अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव की मिसाल पेश की है कभी सीमित संसाधनों के बीच जीवन यापन करने वाली सुशीला आज स्वयं रोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं और गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हैं।

दुर्गा स्व-सहायता समूह से जुड़ीं: सुशीला सिंह दुर्गा स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आजीविका मिशन के माध्यम से आर्थिक गतिविधि शुरू करने का अवसर मिला बैंक से उन्हें 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ सुशीला ने इस राशि का उपयोग मुर्गी पालन गतिविधि शुरू करने में किया सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने पूरी मेहनत और लगन के साथ मुर्गी पालन को आगे बढ़ाया। शुरुआत में छोटे स्तर पर शुरू की गई गतिविधि से धीरे-धीरे आमदनी होने लगी इससे परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद मिली।

पति के सहयोग से बढ़ाया काम: सुशीला के पति उग्रसेन सिंह ने भी इस कार्य में उनका सहयोग किया पति-पत्नी ने मिलकर मुर्गी पालन गतिविधि को आगे बढ़ाया और इसे परिवार की अतिरिक्त आय का साधन बनाया मेहनत के साथ सुशीला का आत्मविश्वास भी बढ़ता गया सुशीला की कहानी यह बताती है कि यदि ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूह का मंच, बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से संस्थागत ऋण और परिवार का सहयोग मिले तो वे अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर आर्थिक स्थिति में बदलाव ला सकती हैं।

दूसरी महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणा: मुर्गी पालन से प्राप्त आय ने सुशीला के परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत करने में मदद की इसके साथ ही उन्हें अपने निर्णय लेने और स्वयं रोजगार संचालित करने का आत्मविश्वास भी मिला उनकी सफलता को देखकर गांव की अन्य महिलाएं भी स्वरोजगार और आजीविका गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित हो रही हैं।

बाढ़ का पानी उतरते ही चलेगा बुलडोजर महापौर बोले- अवैध निर्माण और अव्यवस्थित कॉलोनियों होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा में लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ और जलभराव की स्थिति बनी हुई है। नगर निगम प्रशासन प्रभावित लोगों तक भोजन, नाश्ता, पेयजल और दवाइयां पहुंचाने में जुटा है। वहीं, पानी उतरने के बाद जलभराव वाले क्षेत्रों में अव्यवस्थित कॉलोनियों और नियम विरुद्ध निर्माण की जांच की तैयारी शुरू कर दी गई है महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' ने कहा कि बाढ़ की स्थिति सामान्य होने के बाद ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित किया जाएगा, जहां उचित जल निकासी के बिना कॉलोनियां विकसित की गई हैं। ऐसे निर्माण भी देखे जाएंगे, जिनसे प्राकृतिक जल निकासी प्रभावित हुई है नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान सामने आई जलभराव की समस्या की समीक्षा की जाएगी। नालियों, नालों और प्राकृतिक जल निकासी के रास्तों पर अतिक्रमण या अव्यवस्थित निर्माण के कारण पानी की निकासी प्रभावित होने वाले क्षेत्रों की पहचान की जाएगी महापौर ने राहत किचन का निरीक्षण किया। उन्होंने खुद भोजन चखा और बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए दोनों समय भोजन और नाश्ते की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रसोई में साफ-सफाई और भोजन की गुणवत्ता भी देखी फिलहाल नगर निगम की प्राथमिकता बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाना है।

कंजवार के शिक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026

राष्ट्रपति के हाथों होगा सम्मान, मध्यप्रदेश से चयनित दो शिक्षकों में शामिल!

जनभागीदारी, नवाचार और समावेशी शिक्षा से बदली सरकारी विद्यालय की तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कंजवार के माध्यमिक शिक्षक (अंग्रेजी) एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक शैलेन्द्र प्रताप सिंह का चयन राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 के लिए हुआ है। देशभर से चयनित 48 शिक्षकों में शैलेन्द्र प्रताप सिंह मध्यप्रदेश से चयनित दो शिक्षकों में शामिल हैं उन्हें 5 सितंबर 2026 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी विद्यालय में जनभागीदारी, नवाचार और समावेशी शिक्षा के माध्यम से किए गए उनके उल्लेखनीय प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर यह महत्वपूर्ण पहचान मिली है।

11 विद्यार्थियों से शुरू हुई शिक्षकीय यात्रा: शैलेन्द्र प्रताप सिंह की शिक्षकीय यात्रा 22 अक्टूबर 2011 को शासकीय प्राथमिक शाला अगरियान टोला कंजवार में प्रथम पदस्थापना से शुरू हुई उस समय विद्यालय में केवल 11 विद्यार्थी नामांकित थे, जिनमें भी सिर्फ तीन विद्यार्थी उपस्थित रहते थे जर्जर भवन, सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बीच उन्होंने अपने शिक्षक पिता से प्रेरणा लेकर शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाने का संकल्प लिया लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप विद्यालय का नामांकन 11 से बढ़कर 121 तक पहुंचा विद्यार्थियों ने जवाहर नवोदय विद्यालय और विभिन्न ओलिंपियाड परीक्षाओं में सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

जनभागीदारी से बदली विद्यालय की तस्वीर: 13 अगस्त 2024 को शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कंजवार में प्रभारी प्रधानाध्यापक का दायित्व संभालने के समय विद्यालय जर्जर भवन, सीमित सुविधाओं, अस्वच्छ परिसर और घटते सामुदायिक विश्वास जैसी समस्याओं से जूझ रहा था शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने ग्रामवासियों, अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समिति और जनप्रतिनिधियों को विद्यालय विकास से जोड़ते हुए जनभागीदारी अभियान शुरू किया इस अभियान से लगभग 5 लाख रुपये का सहयोग प्राप्त हुआ इससे करीब 900 फीट लंबी बाउंड्रीवॉल, पेयजल व्यवस्था, भवन मरम्मत, रंगाई-पुताई और फर्नीचर सहित विभिन्न कार्य कराए गए। विद्यालय के नवीन भवन के लिए 51 लाख रुपये और विधायक निधि से 25 लाख रुपये की स्वीकृति भी प्राप्त हुई।

नामांकन और उपस्थिति में हुआ बड़ा बदलाव: विद्यालय में किए गए प्रयासों का असर विद्यार्थियों के नामांकन और उपस्थिति पर भी दिखाई दिया विद्यालय का नामांकन 69 से बढ़कर 202 हो गया, जबकि छात्राओं की संख्या 36 से बढ़कर 107 तक पहुंची नियमित उपस्थिति 44 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत हो गई विद्यालय से बाहर हो चुके 26 ड्रॉपआउट विद्यार्थियों का दोबारा नामांकन कराया गया।

चीनी के बढ़ते मूल्य

चीनी के बढ़ते मूल्यों का संज्ञान लिया जाना आवश्यक था, लेकिन अच्छा होता कि सरकार तभी चेत जाती, जब चीनी के दाम बढ़ने शुरू हुए थे। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बीते दो महीनों में चीनी के मूल्य लगभग 40 प्रतिशत बढ़ गए हैं। सरकार ने इसका कारण खराब मौसम की वजह से गन्ने की फसल को नुकसान और उसके चलते चीनी के घरेलू उत्पादन में कमी, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी के दामों में वृद्धि आदि को बताते हुए इससे स्पष्ट रूप से इन्कार किया है कि पेट्रोल में एथनाल की मिलावट से ऐसा हुआ है।

संपादकीय

उसके अनुसार एथनॉल के लिए इस्तेमाल होने वाली चीनी का हिस्सा घटा है। उसने यह भी साफ किया कि देश में उत्पादित होने वाले एथनाल का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा अनाज और खास तौर पर मक्के से आता है। इस सबके बाद भी उसे यह आभास होना चाहिए था कि त्योहारों को देखते हुए चीनी की मांग बढ़ेगी और जमाखोरी करने वाले इसका लाभ उठा सकते हैं। ध्यान रहे कि एक बार जब किसी आवश्यक वस्तु के दाम बढ़ने लगते हैं तो उन्हें यकायक रोकना संभव नहीं होता। देखना है कि सरकार ने चीनी के बढ़ते दामों पर लगाम लगाने के लिए दस लाख टन चीनी का आयात करने, डीलरों के लिए भंडारण सीमा तय करने और जमाखोरों के खिलाफ कार्रवाई करने के जो कदम उठाए हैं, उनके अपेक्षित परिणाम मिल पाते हैं या नहीं? हालांकि सरकार ने यह स्पष्ट किया कि चीनी के मूल्य बढ़ने का कारण एथनाल नीति नहीं है, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल यही साबित करने में जुट गए हैं।

उन्हें यह मौका इसलिए भी मिला, क्योंकि खुद सरकार ने यह माना कि एथनाल मिश्रित पेट्रोल से वाहनों के माइलेज में कमी आती है। सरकार ने जिस तरह यह रेखांकित किया कि एथनाल नीति से चीनी उद्योग को लाभ मिला है और चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति सुधरने के साथ गन्ना किसानों को भुगतान की समस्या का समाधान करने में आसानी हुई है, उससे ऐसा लगता है कि वह अपनी इस नीति पर पुनर्विचार नहीं करने वाली। यदि यह मान लिया जाए कि एथनाल नीति चीनी के मूल्य बढ़ने का कारण नहीं है तो भी इसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती कि ई-20 ईंधन विवाद का मुद्दा बन गया है। यह सही है कि एथनाल नीति से पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में खपने वाली विदेशी मुद्रा बचाने में सफलता मिली है, लेकिन यह सही समय है कि इस नीति पर नए सिरे से विचार किया जाए और यह देखा जाए कि विदेशी मुद्रा की जो बचत हो रही है, वह कुल मिलाकर कितनी प्रभावी सिद्ध हो रही है। यह भी देखना होगा कि एथनाल नीति खाद्य सुरक्षा के लिए कोई संकट तो पैदा नहीं करने वाली। इसका आकलन भी किया जाना चाहिए कि क्या ई-20 ईंधन पर्यावरण की रक्षा में सहायक बन पा रहा है?

पाकिस्तान से दशकों पहले आए विस्थापितों को भारतीय नागरिकता

डॉ. रमेश ठाकुर

आज के दौर में पाकिस्तान से आए विस्थापित को भारत में बसाना, उन्हें पनाह देना या फिर नागरिकता देने वाली बात, शायद ही किसी के गले उतरे। हालांकि यह पिछले दिनों हकीकत बन गई। 56 साल पहले भारत आए पाकिस्तानी विस्थापितों को नागरिकता दी गई। वह भी एकाध लोगों को नहीं बल्कि इनकी संख्या हजारों में है। सरकार ने पिछले महीने बकायदा कार्यक्रम कर ढोल-नगाड़े बजाकर विस्थापित पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रमाणपत्र बांटे। खास बात यह है कि सरकार ने यह कदम ऐसे माहौल में उठाया, जब पूरे देश में विभिन्न देशों के घुसपैठियों को निकालाने का अभियान चल रहा हो। इस अभियान का असर हाल में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान भी देखा गया। दो बॉर्डर राज्य, असम और पश्चिम बंगाल का चुनाव इसी मुद्दे के इर्द-गिर्द घूमा। घुसपैठियों के अलावा भारत में कुछ वर्षों से एनआरसी और सीएए का भी शोर है। बावजूद इसके सरकार ने पाकिस्तानी विस्थापितों को नागरिकता देने का बड़ा जोखिम उठाया। सरकार ने यह कदम क्यों उठाया? हालांकि, इस फैसले के सियासी मायने कई हैं, जिसकी तस्वीर आने वाले दिनों में दिखाई देगी। सरकार ने विस्थापितों को नागरिकता भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में दी है। जिले का नाम है पीलीभीत जो नेपाल बॉर्डर से एकदम सटा हुआ है।इसकी पहचान बांसुरी निर्माण के अलावा अपने तराई क्षेत्र के लिए प्रसिद्ध है। पीलीभीत को मिनी पंजाब भी कहते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से लबरेज, जैव-विविधता के अलावा विश्व प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व तो है ही, धान की पैदावार के लिए भी यह जिला पूरे प्रदेश में विख्यात है। सरकार ने जिन परिवारों को बसाने का फैसला किया है उनमें बंगाली हिन्दू, बौद्ध, जैन और सिख शामिल हैं। भारत के नक्शे में देखें, तो पीलीभीत देश के एक छोर पर बसा है जहां करीब पांच दशक से भी ज्यादा पहले पाकिस्तान से आए विस्थापित बस गए थे। तभी, से वह विभिन्न सरकारों से नागरिकता मांगते आए हैं। सरकारी कागजों के मुताबिक पूर्वी पाकिस्तान से वर्ष 1959 से 1971 के बीच पाकिस्तान से पीड़ित होकर कुछेक परिवार भारत आए थे। शुरूआत में यह परिवार कई राज्यों में भटकते रहे, कहीं ठिकाना नहीं मिला। आखिरकार उन्हें बाद में यही जिला मुफीद लगा। पीलीभीत के अलावा कुछ नागरिकता रामपुर और बिजनौर में बसे विस्थापितों को भी दी गई है। पीलीभीत के जिस क्षेत्र में यह परिवार रहते आए हैं वह जगह कभी वीरान होती थी। इन लोगों ने इसे रहने लायक बनाया और उबड़खाबड़ जगहों पर मेहनत करके उसे खेती-बाड़ी के लिए तैयार किया। आज इस क्षेत्र में अच्छी फसलें उगती हैं। सभी के पास कागजी दस्तावेजों के रूप में भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि पहले से मौजूद हैं। साथ ही लंबे वक्त से मतदान भी करते आए हैं। लेकिन नागरिकता और मालिकाना हक से वंचित थे, जिसे मौजूदा योगी सरकार ने पूरा कर दिया। ये परिवार पीलीभीत जिले के अमरिया, न्यूरिया, शारदा डैम की तलहटी सहित आसपास के क्षेत्रों में बसे हैं। सरकार ने उन्हें खेती और आवास के लिए जमीन तो पहले से दी हुई हैं। लेकिन मालिकाना हैसियत नहीं दी, जिसके लिए यह लोग दशकों जद्दोजहद कर रहे थे। प्रत्येक चुनाव में इनसे झूठा वायदा हुआ। पूर्ववर्ती बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने भी इनको नागरिकता दिलवाने का दिलासा दिया लेकिन वादा पूरा नहीं किया। बीते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं। नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई हैं जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपार है। ऐसा करके सरकार ने शायद विपक्षी दलों को बड़ा सियासी मुद्दा बैठे-बिठाए थमा दिया है। ये लोग वर्ष 1960 से 1975 के बीच धार्मिक प्रताड़ना के चलते पूर्वी बंगालादेश जो अब पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा है, से भारत आए थे और उत्तर प्रदेश के तराई के जिले पीलीभीत में आकर बसे। ये क्षेत्र पीलीभीत जिले की कलीनगर व पूरनपुर तहसीलों में आते हैं जहां ये करीब 25-26 गांवों में बसे हैं। पिछले महीने 29 जून को राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जिले में दौरा हुआ जिसमें मुख्यमंत्री ने इनको ना सिर्फ नागरिकता के प्रमाणपत्र बांटे बल्कि मालिकाना हक के सरकारी कागज भी दिए।

भीड़तंत्र का पर्याय न बने लोकतंत्र

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच' छात्र-युवाओं के धरने पर जिन दलों, नेताओं, बड़े लोगों ने खुल कर या चुपचाप समर्थन-सहयोग दिया था, वे रांची के मुंडा स्टेडियम में नदारद रहे। अथवा कहें कि एक जगह पीठ पर एक तरह के दल थे, तो दूसरी जगह दूसरे खेमे के। जबकि दोनों स्थानों पर मुद्दा शैक्षिक परीक्षाओं में गड़बड़ी के विरुद्ध था। यह तुलनात्मक दृश्य क्या दिखाता है?

शंकर शरण

यही कि युवा शक्ति अथवा आज के मुहावरे में 'जेन-जी' के बारे में एकतरफा बातों को विवेक पर तौलना बेहतर है। हर युग में युवाओं में अधिक ऊर्जा, आदर्श और न्यायप्रियता रहती है। इसलिए कभी-कभी बार-बार होती गड़बड़ी या अनुचित परिघटना पर उनमें उद्वेलन 'युवा आंदोलन' का रूप लेता है। प्रायः ऐसा तभी होता है, जब स्थापित राजनीतिक दल में अच्छे नेताओं का अभाव हो। तब कोई घटना अनायास किन्हीं युवाओं को परिदृश्य में ला देती है। जैसा हाल में मुख्य न्यायाधीश द्वारा एक विशेष संदर्भ में 'काकरोच' कह देने से हुआ। यदि देश के कोई नेता वैसी संज्ञा का प्रतिवाद करते, तो संभवतः काकरोच जनता पार्टी जैसी व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया को वैसा अप्रत्याशित समर्थन नहीं मिलता। इस तरह देखा जाए तो काकरोच आंदोलन का उद्भव हमारे राजनीतिक दलों की सामूहिक उदासीनता का भी परिणाम था। राष्ट्रीय राजनीति में जनता पार्टी से लेकर असम में आसू और आम आदमी पार्टी के उदाहरणों में देखा गया कि छात्र-युवा अंततः पेशेवर नेताओं द्वारा ही मुख्य रूप से इस्तेमाल होते हैं। काम निकल जाने और सत्ता पा लेने के बाद नेता बड़े-बड़े बौद्धिकों, विधिवेत्ताओं आदि को दूध में पड़ी मक्खी की तरह निकाल फेंक देते हैं। इसलिए राजनीति में दूरदृष्टि, दृढ़ता और विवेकशीलता का स्थायी महत्व है।किसी भी आंदोलन में यदि प्रभावी नेता विवेकशील न हों तो उसके गलत दिशा में जाने की भरी-पूरी आशंका रहती है। हालांकि दृढ़ता, समर्पण, संसाधन-कुशलता आदि गुण किसी मतांध, कट्टरपंथी में भी हो सकते हैं। अतः भीड़ देखकर उत्साहित होने में सावधानी रखनी चाहिए, क्योंकि वह विचारहीन होती है। उसे सदैव कोई और इस्तेमाल करता है। एक बार भीड़ में कोई उलटी-सीधी बात भर दी जाए तो वह अपने बीच के व्यक्तियों को भी नियंत्रण में ले लेती है। यह अधिकांश भीड़ आंदोलनों में देखा गया है। जेपी आंदोलन से लेकर काकरोच पार्टी के संसद मार्च तक यही हुआ है। कुल मिलाकर मामला न सीधा है और न एकतरफा। यही राजनीति की जटिलता है। इसमें जितना सामने रहता है, उससे अधिक छिपा रहता है। उन छिपी बातों, उद्देश्यों में अधिकांश अनुपयुक्त होती हैं। इसीलिए छिपाई जाती हैं, लेकिन भोले छात्र युवा ही नहीं, आम लोग भी उससे अनजान रहते हैं। इसीलिए लोकतंत्र में विशेषतः लोगों को लुभाने, भड़काने, बड़ी-बड़ी बातें करने, सपने दिखाने का प्रचलन है। किसी भी तरह अधिक लोगों को अपनी ओर खींचना ही आम नेताओं का उद्देश्य होता है। यह काम भीड़ की मानसिकता को उकसा कर अधिक सरलता से होता है। इसीलिए नेताओं की बिरादरी भीड़ की चापलूसी करती है। बात-बात में 'जनता' का गुणगान उसका सबसे सामान्य रूप है। जबकि कहीं भी जनता कोई नीति नहीं बनाती। उसके नाम पर अच्छे या बुरे नेता ही यह करते हैं। यह अकाट्य तथ्य है कि कोई भी भीड़ प्रेरित आंदोलन अपने घोषित आदर्श वाला लक्ष्य नहीं प्राप्त करता। उसके बल से केवल सत्ता में उलटफेर होता है। नई सत्ता अच्छी नीति बनाए या पहले से भी बुरा हाल कर दे, यह मात्र नए नेताओं के विवेक और योग्यता पर निर्भर रहता है। यह रुझान पचास वर्षों के भारतीय अनुभव से प्रमाणित है। जेपी का छात्र आंदोलन और आल असम छात्र यूनियन आदि ने अंततः सत्ता में उलटफेर तो किया, किंतु उनके घोषित लक्ष्य 'भ्रष्टाचार का खात्मा' या 'विदेशी घुसपैठ रोकना' आकाश-कुसुम ही रहे। इतना ही नहीं, स्थिति पहले से और बुरी होती गई। केवल भीड़, नारे और आवेश से आशा रखना फिजूल है। राजनीति में शार्टकट से कोई नीतिगत उपलब्धि असंभव है। नेताओं, दलों के बदले मुद्दों पर शांतिपूर्वक विचार करने पर ही वैसी उपलब्धि का मार्ग मिल सकता है। हालांकि वह धैर्य और सामाजिक चेतना की मांग करता है, जबकि पेशेवर नेता अपनी दलीय चेतना से लाभ की फिराक में रहते हैं। अतः आकस्मिक आंदोलनों में भी वे खुले-छिपे मौका तलाशते हैं कि उसका अपने स्वार्थ में उपयोग करें। यही कारण है कि बड़े-बड़े आंदोलन भी अपना घोषित लक्ष्य पाने में विफल रहते हैं। उसकी शुरुआत किसी उचित समस्या से तो होती है, परंतु उसका वैज्ञानिक समाधान केवल सामाजिक भावना से मिल सकता है, जबकि दलीय प्रतिर्द्वंद्विता उसे अनिवार्यतः इधर या उधर खींचती है। तदनुरूप समस्या पर समुचित विचार और सही समाधान पर सहमति बनाने के बदले दलीय धड़ों द्वारा एक-दूसरे को गिराने की प्रवृत्ति ऊपर हो जाती है। लोगों को लफ्फाजी से आसान रास्ता दिखाया जाता है। इस तरह सत्ता परिवर्तन तो हो जाता है, लेकिन समस्या यथावत बनी रहती है। किसी भी आंदोलन में नारों से शायद ही कुछ तय होता है। उलटे भीड़ को शक्ति देना, उसके समक्ष झुकना एक तरह से बड़े संकट को न्योता देने जैसा हो सकता है। जनता के नाम पर मुट्ठी भर शातिर लोग आम लोगों का इस्तेमाल करते हैं। किसी भी आंदोलन की सरसरी चापलूसी या आदतन भर्त्सना अनुपयुक्त है। राजनीति में सब कुछ निर्णयकारी व्यक्तियों पर निर्भर होता है। यदि निर्णायक स्थान पर विवेकशील और कटिबद्ध व्यक्ति हों तभी सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। अन्यथा तमाम हंगामे और उथल-पुथल के बाद भी हालात वही ढाक के तीन पात वाले रहते हैं। यही राजनीति के प्रति सदियों से महान ज्ञानियों की सीख है। यही दुनिया भर के आधुनिक अनुभव भी हैं। इसलिए हमें भीड़तंत्र और लोकतंत्र की बारीक रेखा का सदैव ध्यान रखना होगा। राष्ट्रजीवन के किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में लोकहित की राजनीति कहीं अधिक पात्रता एवं विशेषज्ञता की मांग करती है। इसकी जितनी उपेक्षा होती है, उस हद तक समाज की हानि होती रहती है।

बार-बार चेतावनी देता हिमालय

जयसिंह रावत

हिमालय की दुर्गमता को वरदान में बदलने के लिए उसका सीना छलनी कर सड़कें, रेल लाइनें, बिजलीघर और सुरंगें बनाई जा रही हैं। यह सब आवश्यक ही लगता है, लेकिन जब हम प्रकृति के साथ अंधाधुंध छेड़छाड़ के तात्कालिक और दूरगामी परिणामों की कल्पना करते हैं तो सिहरन होती है। 2023 में 17 दिनों तक दुनिया की सांसें रोकने वाले सिलक्यारा सुरंग हादसे वाली जगह पर इसी साल फिर कंक्रीट गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। इस हादसे पर बहस चल ही रही थी कि 20 जुलाई को सिक्किम के तीस्ता स्टेज-6 परियोजना की सुरंग में मीथेन गैस के विस्फोट और सुरंग का एक हिस्सा ढहने से 25 मजदूरों की मौत हो गई। इस भयंकर हादसे की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि उत्तराखंड के चमोली जिले में विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फिर बड़ा हादसा हो गया, जिसमें आठ श्रमिकों की मौत हो गई। इस हादसे का तात्कालिक कारण अचानक सुरंग के एक हिस्से का ढहना तथा उससे निकले मलबायुक्त पानी का सैलाब था। हिमालयी क्षेत्र में सिलसिलेवार हादसे मानव जीवन के प्रति प्रशासनिक और निर्माण एजेंसियों की उपेक्षा की ओर इशारा तो करते ही हैं, साथ ही हिमालय के भूगर्भ की अनदेखी और पर्वतों में सुरंग इंजीनियरिंग की कामयाबी पर भी प्रश्नचिह्न खड़े करते हैं। ताजा हादसा किसी एक परियोजना या निर्माण स्थल की विफलता भर नहीं है। इसके पीछे संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र में तेजी से हो रहे अवसंरचनात्मक निर्माणों और वहां की जटिल भूगर्भीय परिस्थितियों के बीच बढ़ता तनाव दिखाई देता है। सवाल यह है कि क्या हम हिमालय की प्रकृति को समझकर सुरंग बना रहे हैं या केवल अपनी विकास योजनाओं की समयसीमा पूरी करने के लिए पहाड़ को उसकी मूल संरचना के विरुद्ध धकेल रहे हैं? बार-बार हादसों का दोहराया जाना साबित करता है कि हमने अतीत से कोई सबक नहीं सीखा। किसी भी निर्माण स्थल पर होने वाली छोटी विफलताएं दरअसल भविष्य के बड़े हादसों की पूर्व चेतावनियां होती हैं। यदि इन चेतावनियों को सुरक्षा व्यवस्था सुधारने का अवसर न बनाया जाए, तो दुर्घटनाएं केवल समय का इंतजार करती हैं। भूगर्भ विज्ञान के दृष्टिकोण से हिमालय में सुरंग का निर्माण कोई साधारण मैदानी इंजीनियरिंग का काम नहीं है। हिमालय दुनिया की सबसे युवा पर्वत प्रणालियों में से एक है और भूगर्भीय रूप से आज भी निरंतर गतिमान है। यहां की चट्टानें अनेक स्थानों पर टूटी-फूटी और दरारों से भरी हैं। क्या विष्णुगाड-पीपलकोटी परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने वालों को यह प्राथमिक ज्ञान नहीं था कि हिमालय पर बर्फ के रूप में जो पानी जमा है, वह रिस-रिसकर पहाड़ के भीतर एक संपूर्ण और विशाल भूजलतंत्र बनाता है? कुछ वर्ष पहले इसी क्षेत्र में स्थित तपोवन-विष्णुगाड जलविद्युत परियोजना की सुरंग में हुआ भारी जल-स्राव भी गंभीर चिंता का कारण बना था। ऐसा भूगर्भिक जल-स्राव एक अप्रत्याशित खतरा भर नहीं, बल्कि यह क्षेत्र के पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को पहुंचाया जाने वाला एक बड़ा स्थायी नुकसान है। जब सुरंगों के कारण सदियों पुराना आंतरिक भूजलतंत्र छिन्न-भिन्न हो जाता है, तो बहुत बड़े भूभाग को गंभीर जल-संकट से जूझना पड़ता है। पीपलकोटी हादसे की मानवीय-आर्थिक क्षतियों का आकलन तो होगा ही, पर दूरगामी पर्यावरणीय क्षति की भरपाई कोई नहीं कर पाएगा। पहाड़ के ऊपर दिखाई देने वाली जमीन और उसके भीतर की भूगर्भीय संरचना को एक जैसा समझना आधुनिक इंजीनियरिंग की भूल है। सुरंग के सामने दिखाई देने वाली चट्टान कुछ मीटर आगे वैसी नहीं रहती। भूमिगत जल अपना रास्ता बदल सकता है और चट्टान की मजबूती अचानक कम हो सकती है। सुरंग का नक्शा केवल निर्माण शुरू होने से पहले तैयार नहीं होता, बल्कि खोदाई के दौरान सामने आने वाली वास्तविक भूगर्भीय परिस्थितियों के अनुसार उसमें लगातार बदलाव करना पड़ता है। सुरंग निर्माण में कमजोर चट्टान मिलने पर केवल कंक्रीट की परत चढ़ा देना पर्याप्त नहीं। खतरे का संकेत मिलने पर काम रोकना किसी परियोजना की विफलता नहीं, बल्कि कुशल इंजीनियरिंग का प्रमाण है। दुर्भाग्य से हमारे देश में परियोजनाओं को समय पर पूरा करने, लागत सीमित रखने की होड़ मची रहती है, लेकिन पहाड़ किसी समयसीमा से संचालित नहीं होते और न ही प्राकृतिक चट्टानें किसी ठेके की शर्तों से बदलती हैं। इसलिए हिमालयी सुरंगों के लिए सुरक्षा आडिट की एक स्वतंत्र और कठोर व्यवस्था जरूरी है। दुर्घटना के बाद जांच कराने से ज्यादा जरूरी है कि निर्माण के दौरान नियमित रूप से बाहरी भूगर्भ विशेषज्ञों से निष्पक्ष जांच कराई जाए। सिलक्यारा के अनुभव बताते हैं कि बचाव अभियानों में तकनीक तो बढ़ी है, लेकिन किसी देश की श्रेष्ठता हादसे न होने देने में है। हिमालय हमें बार-बार चेतावनी दे रहा है। सवाल यह नहीं कि अगली दुर्घटना कब होगी, बल्कि यह है कि हम अपनी नीति और व्यवस्था कब बदलेंगे? किसी सुरंग के उद्घाटन पर रोशनी जलती है और विकास का उत्सव मनाया जाता है, लेकिन उस रोशनी के पीछे मजदूरों की अनकही कुर्बानियां छिपी होती हैं। यदि वही अंधेरा बार-बार उनकी कब्र बनता रहे, तो हमें विकास की इस पूरी परिभाषा पर पुनर्विचार करना होगा।

संसद मार्ग थाने में राहुल गांधी का धरना

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संसद मार्ग थाने में पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराने के लिए 6 घंटे से अधिक थाने पर बैठे रहे। जब तक एफआईआर दर्ज नहीं हो गई वह वहां से नहीं उठे। संसद मार्ग थाने में जिस तरह से कांग्रेस के नेताओं ने पहुंचकर सरकार के ऊपर दबाव बनाया उसको देखकर यही कहा जा सकता है, एफआईआर एक बहाना था निशान गृहमंत्री अमित शाह पर था। राहुल गांधी जिस तरह से आक्रामक होकर राजनीति कर रहे हैं उससे भारतीय जनता पार्टी और सरकार की मुसीबत दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है। छात्र आंदोलन जब जंतर मंतर पर चल रहा था तब वह प्रधानमंत्री निवास पर जाकर धरने पर बैठ गए। पैलेट गन से घायल युवक की रिपोर्ट दिल्ली पुलिस नहीं लिख रही थी, उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराने में सफलता हासिल की।

अब जब रिपोर्ट दर्ज हो गई है तो इसकी जांच भी होगी। उन्होंने यह भी इस धरने से संदेश देने का प्रयास किया है कि जब दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष को एक एफआईआर कराने के लिए धरने पर बैठना पड़ता है, उसके बाद भी पुलिस रिपोर्ट दर्ज करने में आनाकानी करती है। ऐसी स्थिति में पूरे देश में जो अपराध हो रहे हैं उसका अंदाजा लगाया जा सकता है। उसको लेकर उन्होंने सरकार पर निशाना साधा। देखते ही देखते पूरे देश का माहौल बदल गया है। सरकार ने जो डर और भय का माहौल बनाया था, वह इस तरह से खत्म होगा इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी।

आज देश भर में जगह-जगह जेन,अल्फा, जेन-जेड के साथ-साथ किसान आंदोलन, आरक्षण को लेकर आंदोलन और हर राज्य में आंदोलन विभिन्न वर्गों द्वारा शुरू कर दिए गए हैं। अब जो आंदोलन हो रहे हैं जंतर मंतर की तरह आंदोलनकारी अपनी मांगों को मनवाने के लिए अड़ जाते हैं। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को यह समझ ही नहीं आता है कि इन प्रदर्शनकारियों से किस तरह से निपटा जाए। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के स्पष्ट निर्देश हैं आंदोलनकारी के ऊपर बल प्रयोग करने में बहुत सावधानी बरती जाए। इससे पुलिस की परेशानी और भी बढ़ गई है। यदि वह बल प्रयोग नहीं करते हैं तो आंदोलनकारियों को खदेड़ना उनके लिए संभव नहीं होता है। वही आंदोलन भी शांतिपूर्ण ढंग से हो रहे हैं। इससे सरकारों की परेशानी बढ़ रही हैं। जिन मामलों को सरकार सामने नहीं आने देना चाहती है,

वह बातें अब मीडिया और आंदोलन के जरिए सामने आ रही हैं, जिसके कारण सरकार और भाजपा की छवि दिन प्रतिदिन बिगड़ती चली जा रही है। रही सही कसर नेशनल चैनल से जो अभी तक सरकार और भाजपा के पक्ष में एजेंडा चलाते थे वहां पर विपक्षी दलों के प्रवक्ता जिस तरह से भाजपा और मीडिया के एंकरों के ऊपर निशाना साध रहे हैं, जिन लोगों को वहां पर बैठाया जाता है वह भी अब भाजपा के प्रवक्ताओं से सवाल पूछने लगे हैं। पिछले एक दशक में जिस तरह के आक्रामक तेवर भाजपा के प्रवक्ता अपनाते थे वही तेवर अब विपक्ष के प्रवक्ता नेशनल मीडिया में अपना रहे हैं। जिसके कारण सरकार और भाजपा को अभी तक मीडिया का जो संरक्षण मिलता था वह संरक्षण भी नहीं मिल पा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी के जो कर्ताधर्ता हैं वह छात्र आंदोलन के साथ-साथ जिस तरह से न्यायपालिका को लेकर मुखर हो रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, नेशनल बार काउंसिल के अध्यक्ष मनन मिश्रा और सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पूरी तैयारी के साथ तथ्यों के साथ जब वहां पहुंचते हैं, ऐसी स्थिति में न्यायपालिका से जो संरक्षण अभी तक सरकार को मिल जाता था वह संरक्षण भी नहीं मिल पा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी के सौरभ दास जैसे नेता अब न्यायपालिका की कार्य प्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे न्यायपालिका भी सकते में है।

राहुल गांधी जब संसद मार्ग थाने में पहुंचे थे, अधिकारियों ने मामला सुप्रीम कोर्ट में होने तथा हाई पावर कमेटी की आड़ में बचने की कोशिश की। लेकिन राहुल गांधी नहीं माने। मजबूरन थाने को एफआईआर दर्ज करनी पड़ी। इसी तरह से जो हाई पावर कमेटी बनाई गई है उसकी विश्वसनीयता को लेकर लगातार सवाल उठने शुरू हो गए हैं। ऐसी स्थिति में संवैधानिक संस्थाएं भी अपने आप को विचित्र स्थिति में पा रही हैं। ना वह सरकार के पक्ष में काम कर पा रही हैं, किसी तरह से टालमटोल करके मामले को ठंडा करने की जो अभी तक की रणनीति थी वह भी अब सफल नहीं हो पा रही है। आंदोलनकारी अपनी मांगों का निराकरण जब तक नहीं होता है तब तक आंदोलन और धरने को खत्म नहीं करते हैं। जिसके कारण पूरे देश में एक अलग तरीके का वातावरण बनता चला जा रहा है। ऐसा लगता है देश इस समय आंदोलन के दौर से गुजर रहा है। जो लोग पहले बोलते नहीं थे अब वह भी आंदोलन के लिए घर से बाहर निकल रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि पिछले 14 सालों में आम जनता के बीच में बनी थी वह छवि अब तेजी के साथ घटती चली जा रही है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर एक विश्वास था जो अब बड़ी तेजी के साथ अविश्वास में परिवर्तित हो रहा है। ऐसी स्थिति में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए भी चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं।

कर्नाटक सरकार जो नया बिल लेकर आई है उसमें किसी भी सरकारी और सार्वजनिक स्थलों में बिना परमिशन के किसी भी कार्यक्रम पर रोक लगा दिए जाने का सबसे बड़ा असर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं उनके पद संचालन तथा साप्ताहिक और मासिक बैठकों के रूप में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होते थे, कर्नाटक में उसमें एक तरह से रोक लग गई है। अन्य राज्यों में भी इसी तरीके की सुग- बुगाहट शुरू हो गई है। जयपुर में जिस तरह से कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापकों और उनकी टीम पर हमला किया गया उसके बाद इस मामले ने तूल पकड़ लिया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और भाजपा भी निशाने पर आ गई है। ऐसी स्थिति में सीधे टकराव पैदा हो रहा है, जो कानून व्यवस्था के लिए एक चुनौती बन रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी और डबल इंजन की सरकारों के लिए राहुल गांधी और कॉकरोच जनता पार्टी जो विसात बिछा रही है इस पर भाजपा और सरकारों को चलना पड़ रहा है। जिसके कारण विपक्ष की चुनौती बढ़ती चली जा रही है। कहा, जाता था मोदी नहीं तो कौन, अब मोदी के सामने सीधे विकल्प के रूप में राहुल गांधी खड़े हो रहे हैं, यह भाजपा के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है।

बिना सर्वे और सुनवाई के स्ट्रीट वेंडरों को नहीं हटा सकता नगर निगम: हाईकोर्ट

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्ट्रीट वेंडरों के हित में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि नगर निगम किसी भी स्ट्रीट वेंडर को बेदखल करने से पहले विधिवत सर्वे कराए और प्रभावित दुकानदारों को अपनी बात रखने का पूरा अवसर दे। कोर्ट ने बिलासपुर के कोनी क्षेत्र में ठेला और गुमटी लगाकर कारोबार करने वाले 121 छोटे कारोबारियों को बड़ी राहत दी है हाईकोर्ट ने नगर निगम को सभी वेंडरों की व्यक्तिगत सुनवाई कर नियमानुसार बेदखली के आदेश पर 90 दिनों के भीतर निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। तब तक याचिकाकर्ताओं को मिली अंतरिम राहत जारी रहेगी यह मामला नगर निगम के जोन क्रमांक-8 के अंतर्गत आने वाले कोनी क्षेत्र का है यहां लंबे समय से गुमटी और ठेला लगाकर कारोबार कर रहे 121 स्ट्रीट वेंडरों को निगम प्रशासन ने बेदखली का नोटिस जारी किया था। इसके खिलाफ कोनी व्यापारी कल्याण संघ ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं ने बताया कि

उनकी दुकानें नाली के पीछे और मुख्य सड़क से करीब 10 से 15 फीट की दूरी पर स्थित हैं। उनका दावा था कि इन दुकानों से यातायात में किसी तरह की बाधा नहीं होती बिना सर्वे और वेंडिंग जोन तय किए जारी हुआ नोटिस व्यापारी संघ की ओर से कोर्ट को बताया गया कि नगर निगम ने कानूनी प्रक्रिया पूरी किए बिना ही दुकानदारों को हटाने का नोटिस जारी कर दिया याचिकाकर्ताओं के अनुसार, स्ट्रीट वेंडर्स (प्रोटेक्शन ऑफ लाइवलीहुड एंड रेगुलेशन ऑफ स्ट्रीट वेंडिंग) एक्ट, 2014 और राज्य की 2016 की नियमावली के तहत पहले वेंडरों का सर्वे और वेंडिंग जोन का निर्धारण जरूरी है इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जा सकती है याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा कि उन्होंने निगम से वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की मांग की थी, लेकिन इस दिशा में उचित कार्रवाई नहीं की गई सुनवाई के दौरान नगर निगम की ओर से बताया गया कि दुकानदारों को तुर्काडीह पुल के पास वैकल्पिक स्थान देने का निर्णय लिया जा चुका है। निगम का दावा था कि दुकानदारों ने पहले इस व्यवस्था पर सहमति भी जताई थी, लेकिन बाद में नई जगह पर जाने के लिए तैयार नहीं हुए। शासन की ओर से कहा गया कि विवाद नगर निगम द्वारा जारी नोटिस और उसकी कार्रवाई से संबंधित है जस्टिस एके प्रसाद ने मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि स्ट्रीट वेंडरों को हटाने से पहले कानून में निर्धारित प्रक्रिया का पालन जरूरी है। कोर्ट ने नगर निगम को निर्देश दिया कि पहले सभी 121 वेंडरों का विधिवत सर्वे कराया जाए। इसके बाद उनके लिए उचित वेंडिंग जोन निर्धारित किया जाए और पुनर्वास अथवा स्थान आवंटन के संबंध में नियमानुसार विचार किया जाए कोर्ट ने प्रत्येक प्रभावित दुकानदार को व्यक्तिगत रूप से अपनी बात रखने का अवसर देने के निर्देश भी दिए हैं। आदेश की प्रति प्राप्त होने के 90 दिनों के भीतर पूरी प्रक्रिया पूरी कर बेदखली के संबंध में निर्णय लेने को कहा गया है स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट, 2014 का उद्देश्य रेहड़ी-पटरी, ठेला और गुमटी लगाकर कारोबार करने वाले छोटे व्यापारियों को कानूनी संरक्षण देना है इसके तहत स्थानीय निकायों को स्ट्रीट वेंडरों का सर्वे कराने वेंडिंग सर्टिफिकेट और पहचान पत्र जारी करने तथा वेंडिंग और नॉन-वेंडिंग जोन निर्धारित करने का प्रावधान है जरूरत पड़ने पर वेंडरों को हटाने से पहले निर्धारित प्रक्रिया और पुनर्वास की व्यवस्था का पालन करना होता है इसके लिए टाउन वेंडिंग कमेटी गठित करने का भी प्रावधान है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फुटपाथों पर चला बुलडोजर, 25 हजार रुपए जुर्माना वसूला

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बिलासपुर नगर निगम ने शहर के फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान तेज कर दिया है। शुक्रवार को जोन क्रमांक-4 के अंतर्गत व्यापार विहार से महाराणा प्रताप चौक तक नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए फुटपाथ पर किए गए अवैध कब्जे हटाए। इस दौरान ठेला लगाने और दुकान का सामान फुटपाथ पर रखने वाले अतिक्रमणकारियों से कुल 25 हजार रुपए का जुर्माना भी वसूला गया नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर जोन क्रमांक-4 और अतिक्रमण विरोधी टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। टीम ने फुटपाथ पर अस्थायी ठेले लगाने, दुकान का सामान रखने और अन्य माध्यमों से पैदल आवागमन बाधित करने वालों को हटाया। निगम अधिकारियों ने कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों को दोबारा फुटपाथ पर कब्जा नहीं करने की सख्त हिदायत भी दी व्यापार विहार से महाराणा प्रताप चौक तक कार्रवाई नगर निगम की टीम ने व्यापार विहार से महाराणा प्रताप चौक तक फुटपाथ के कई हिस्सों को अतिक्रमण से मुक्त कराया। निगम के अनुसार, स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत करोड़ों रुपए खर्च कर बनाए गए फुटपाथों पर कब्जे के कारण पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। फुटपाथ खाली होने से अब नागरिकों को पैदल आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है इसी तरह बृहस्पति बाजार क्षेत्र में भी फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर के प्रमुख बाजारों और व्यस्त मार्गों पर फुटपाथों की लगातार निगरानी की जाएगी फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देश के बाद तेज हुई है। कोर्ट ने पैदल चलने के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 19(1)(डी) और अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार से जोड़ा है और संबंधित प्राधिकरणों को फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं दोबारा कब्जा किया तो होगी कार्रवाई निगम कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर के फुटपाथों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण दोबारा न होने दिया जाए। उन्होंने कहा कि फुटपाथ आम नागरिकों के पैदल आवागमन के लिए हैं और इन्हें अतिक्रमण मुक्त रखना निगम की प्राथमिकता है। अतिक्रमण मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई के साथ जुर्माना भी वसूला जाएगा।

बिलासपुर-यलहंका साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन अब नियमित, 26 अगस्त से हर बुधवार चलेगी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ से बेंगलुरु और दक्षिण भारत की यात्रा करने वाले रेल यात्रियों के लिए राहत की खबर है बिलासपुर से यलहंका (बेंगलुरु) के बीच ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान स्पेशल ट्रेन के रूप में चलाई जा रही साप्ताहिक ट्रेन को रेलवे प्रशासन ने अब नियमित कर दिया है यात्रियों की सुविधा और लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने इसका संचालन जारी रखने का निर्णय लिया है गाड़ी संख्या 18261 बिलासपुर-यलहंका साप्ताहिक ट्रेन 26 अगस्त से प्रत्येक बुधवार बिलासपुर से रवाना होगी ट्रेन बिलासपुर से दोपहर 2 बजे चलेगी छत्तीसगढ़ में इसका भाटापारा में दोपहर 2.40 बजे, रायपुर में 3.35 बजे, दुर्ग में 4.25

बजे, राजनांदगांव में 4.49 बजे, डोंगरगढ़ में 5.12 बजे और गोंदिया में शाम 6.15 बजे पहुंचने का समय निर्धारित किया गया है इसके बाद ट्रेन वडसा, चांदाफोर्ट, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर मंचिर्याल, काजीपेट, चर्लपल्ली और सिकंदराबाद सहित विभिन्न स्टेशनों से होकर यलहंका पहुंचेगी दूसरे दिन ट्रेन शाम 7 बजे यलहंका स्टेशन पहुंचेगी मार्ग में सिकंदराबाद, रायचूर, गुंटकल, अनंतपुर, धर्मवरम और हिंदूपुर जैसे प्रमुख स्टेशन भी शामिल हैं वापसी में गाड़ी संख्या 18262 यलहंका-बिलासपुर साप्ताहिक ट्रेन 27 अगस्त से प्रत्येक गुरुवार रात 9.30 बजे यलहंका से रवाना होगी। यह ट्रेन हिंदूपुर, धर्मवरम, अनंतपुर, गुंटकल, रायचूर, सिकंदराबाद और बल्लारशाह होते हुए छत्तीसगढ़ पहुंचेगी वापसी यात्रा में डोंगरगढ़ रात 10.58 बजे, राजनांदगांव 11.25 बजे, दुर्ग रात 12.20 बजे, रायपुर 1.05 बजे और भाटापारा 2.05 बजे पहुंचेगी ट्रेन तीसरे दिन सुबह 3.30 बजे बिलासपुर पहुंचेगी ट्रेन के नियमित संचालन से बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग सहित छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों के यात्रियों को बेंगलुरु और दक्षिण भारत के विभिन्न क्षेत्रों तक रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा रेलवे के इस निर्णय से यात्रियों को नियमित यात्रा सुविधा उपलब्ध होने की उम्मीद है।

रॉन्ग साइड से आए बाइक सवार को ट्रक ने कुचला, इलाज के दौरान मौत

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरमी (निप्र)। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम में रसूलिया-चंदननगर मेन रोड पर दर्दनाक सड़क हादसे में 70 वर्षीय रिटायर्ड कर्मचारी की मौत हो गई रॉन्ग साइड से आ रही बाइक ट्रक की चपेट में आ गई टक्कर के बाद बाइक ट्रक के नीचे फंस गई और काफी दूर तक घिसटती चली गई हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई हादसे का CCTV फुटेज शनिवार को सामने आया है पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान मदनलाल वर्मा के रूप में हुई है वे ऑर्डनेंस फैक्ट्री से सेवानिवृत्त थे घटना गुरुवार सुबह करीब 8.30 बजे की बताई जा रही है ATM से रुपए निकालकर घर लौट रहे थे मृतक के बेटे राजेंद्र वर्मा ने बताया कि मदनलाल से रुपए निकालने गए थे पैसे निकालने के बाद वे बाइक से घर लौट रहे थे। रसूलिया-चंदननगर मेन रोड पर करीब 200 से 300 मीटर तक डिवाइडर होने के कारण उन्हें घर पहुंचने के लिए अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी इसी दूरी को बचाने के लिए उन्होंने बाइक रॉन्ग साइड डाल दी इसी दौरान ओवरब्रिज की ओर से आ रहे ट्रक से बाइक की टक्कर हो गई ट्रक के नीचे फंसी बाइक CCTV फुटेज में दिखाई दे रहा है कि बाइक को सामने आता देखकर ट्रक चालक ने ब्रेक लगाने की कोशिश की लेकिन तब तक बाइक ट्रक की चपेट में आ चुकी थी। बाइक ट्रक के नीचे फंस गई और करीब 50 मीटर तक घिसटती चली गई हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल मदनलाल को सड़क से उठाकर अस्पताल पहुंचाया इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई हादसे के बाद बाइक करीब दो दिन तक घटनास्थल के पास पड़ी रही पुलिस ने शुरू की जांच, ड्राइवर की तलाश परिजनों के अनुसार, हादसे के कुछ देर बाद मोहल्ले के लोगों ने फोन कर परिवार को घटना की जानकारी दी ट्रक का नंबर भी पुलिस को बताया गया है फिलहाल स्नढ्ढक्र दर्ज नहीं हुई है देहात थाना प्रभारी ऊषा मरावी ने बताया कि हादसे में बुजुर्ग की मौत हुई है मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है हादसे के बाद फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है पुलिस ट्रक को जब्त करने की कार्रवाई भी करेगी।

एसपी ऑफिस चौराहे पर चलती बाइक में पटाखे रखकर आतिशबाजी, वीडियो वायरल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के व्यस्त एसपी ऑफिस चौराहे पर शुक्रवार रात कुछ युवाओं ने सड़क पर खुलेआम हुड़दंग करते हुए चलती बाइक पर पटाखे रखकर आतिशबाजी की इस दौरान सड़क पर चिंगारियां उड़ती रहीं और राहगीरों के बीच अफरा-तफरी की स्थिति बन गई घटना का वीडियो राहगीरों ने रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है घटना शुक्रवार रात करीब 9.30 बजे की बताई जा रही है जानकारी के अनुसार, टेलीफोन एक्सचेंज और एसपी ऑफिस चौराहे के पास बिजली ऑफिस की ओर से युवाओं की टोली आई और सर्किट हाउस की तरफ चली गई युवक चलती बाइक पर पटाखे रखकर आतिशबाजी करते दिखाई दिए। सड़क से गुजर रहे राहगीर और दुकानदार इस हरकत से सहम गए चलती बाइक पर आतिशबाजी करने के दौरान पटाखों की चिंगारियां सड़क पर गिरती रहीं इससे अन्य वाहन चालकों का ध्यान भटकने और सड़क हादसा होने का खतरा बना रहा लोगों का कहना है कि पटाखों की चिंगारी किसी वाहन या राहगीर के संपर्क में आने से गंभीर घटना हो सकती थी युवाओं की इस हरकत को लेकर नागरिकों में नाराजगी है लोगों ने सार्वजनिक सड़क पर इस तरह की खतरनाक गतिविधि करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। ट्रैफिक डीएसपी संतोष मिश्रा ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो उनके संज्ञान में आया है प्रथम दृष्टया यह लापरवाही और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने का मामला है उन्होंने बताया कि यातायात प्रभारी को CCTV फुटेज के माध्यम से संबंधित वाहनों की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं एसपी ऑफिस चौराहे और सर्किट हाउस रोड पर लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

पुराने सिक्कों की बिक्री का लालच देकर व्हाट्सऐप हैक, परिचितों से मांगे पैसे

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में मोबाइल और व्हाट्सऐप हैक कर परिचितों से पैसे मांगने का मामला सामने आया है पुरानी शिवपुरी निवासी राजेश सौलखिया ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित के अनुसार, अज्ञात व्यक्ति ने पहले पुराने सिक्कों की बिक्री के संबंध में फोन किया और इसके कुछ देर बाद उनका मोबाइल व व्हाट्सऐप हैक कर लिया राजेश ने अपनी शिकायत में बताया कि 21 अगस्त को दोपहर करीब 2.30 बजे उन्हें एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले व्यक्ति ने पुराने सिक्कों की बिक्री के संबंध में जानकारी मांगी। राजेश ने बताया कि उनके पास कुछ पुराने सिक्के हैं। बातचीत के बाद फोन कट गया

परिचितों से मांगे पैसे राजेश के मुताबिक, फोन कटने के कुछ ही समय बाद उनका मोबाइल और व्हाट्सऐप काम करना बंद हो गया इसके बाद अज्ञात व्यक्ति ने उनके व्हाट्सऐप अकाउंट का इस्तेमाल कर परिचितों और अन्य लोगों से पैसे मांगना शुरू कर दिया जब परिचितों ने राजेश को फोन कर पैसे मांगने की जानकारी दी तब उन्हें मोबाइल और व्हाट्सऐप हैक होने का पता चला इसके बाद उन्होंने तत्काल साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराने का निर्णय लिया अभी भी काम नहीं कर रहा व्हाट्सऐप पीड़ित ने बताया कि उनका व्हाट्सऐप अभी भी काम नहीं कर रहा है। उन्हें आशंका है कि अज्ञात व्यक्ति उनके मोबाइल नंबर और व्हाट्सऐप अकाउंट का आगे भी गलत इस्तेमाल कर सकता है इससे वह और उनका परिवार परेशान है राजेश ने साइबर सेल से मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने अपना व्हाट्सऐप दोबारा चालू कराने और मोबाइल नंबर के दुरुपयोग को रोकने का अनुरोध किया है उन्होंने शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि भविष्य में उनके मोबाइल नंबर या व्हाट्सऐप के माध्यम से किसी प्रकार का गलत इस्तेमाल होने पर इसकी जिम्मेदारी अज्ञात आरोपी की होगी पुलिस साइबर सेल शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

तीन महीने से राशन नहीं मिलने पर ग्रामीणों का चक्काजाम, 4 घंटे तक फंसे वाहन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पिछोर-खोड़-शिवपुरी मार्ग पर शनिवार को ग्राम पंचायत बरैला के 300 से अधिक ग्रामीणों ने धाय महादेव चौराहे पर चक्काजाम कर दिया ग्रामीणों का आरोप है कि शासकीय उचित मूल्य की दुकान से उन्हें तीन महीने से राशन नहीं मिला है करीब चार घंटे तक चले प्रदर्शन के कारण सड़क पर स्कूल वैन, एंबुलेंस समेत कई वाहन फंसे रहे ग्रामीणों का कहना है कि राशन दुकान के सेल्समैन दयाशंकर लोधी ने पिछले महीने उनका अंगूठा लगवाया था और राशन बाद में देने की बात कही थी लेकिन अब तक राशन नहीं मिला ग्रामीणों ने दुकान में चोरी होने की बताई जा रही बात पर भी सवाल उठाए।

कांवड़ में एक तरफ नर्मदा जल, दूसरी ओर पौधे : पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती निकली संस्कार कांवड़ यात्रा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए शनिवार को नर्मदापुरम में संस्कार कांवड़ यात्रा (रन फॉर नेचर) निकाली गई। दादागुरु के मार्गदर्शन में आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष और युवा कांवड़ लेकर शामिल हुए। कांवड़ियों ने एक ओर नर्मदा जल और दूसरी ओर पौधे रखे हुए थे। यात्रा के दौरान हर-हर महादेव जय भोले और नर्मदे हर के जयकारे गूंजते रहे यात्रा दोपहर करीब 2 बजे विवेकानंद घाट से शुरू होकर काले महादेव मंदिर और सेठानी घाट की ओर रवाना हुई। ढोल-नगाड़ों और डमरू की गूंज के बीच श्रद्धालु

भक्ति में लीन नजर आए। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने कांवड़ियों का स्वागत किया। कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया गया धर्म के साथ प्रकृति संरक्षण का संदेश दादागुरु ने कहा कि वृक्ष देव स्वरूप हैं और भगवान शिव के सगुण स्वरूप के रूप में उन्हें माना गया है। संस्कार कांवड़ यात्रा के माध्यम से धर्म, आध्यात्म और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया गया है कांवड़ियों द्वारा नर्मदा जल के साथ पौधे लेकर चलना इसी संदेश का प्रतीक रहा। आयोजकों के अनुसार यह यात्रा पिछले 15 वर्षों से जबलपुर में आयोजित की जा रही है और गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड

रिकॉर्ड्स में दर्ज है। इस वर्ष पहली बार नर्मदापुरम में भी इसका आयोजन किया गया। हजारों श्रद्धालु हुए शामिल नमामि देवी संस्कार कांवड़ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया महिलाओं और युवाओं की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही यात्रा में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सहभागिता की जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर सोमेश मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह राजपूत, विधायक डॉ. सीताशरन शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव सहित कई जनप्रतिनिधि यात्रा में शामिल हुए पीछे चलता रहा स्वच्छता अमला यात्रा के दौरान नगर पालिका का स्वच्छता अमला भी पीछे-पीछे चलता रहा यात्रा मार्ग पर साफ-सफाई बनाए रखने के लिए कर्मचारियों ने लगातार सफाई की आयोजन के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ लोगों को पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का कहना था कि नर्मदा जल के साथ पौधे लेकर चलने का संदेश प्रकृति और जलस्रोतों के संरक्षण के महत्व को दर्शाता है आयोजन ने धार्मिक उत्साह के साथ पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी दिया।

कुएं में करंट डालने का विरोध करने पर महिला को धक्का देने का आरोप, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र के बामौरखुर्द गांव में कुएं में करंट डालने का विरोध करने पर एक महिला को कुएं में धकेलने का मामला सामने आया है घटना के बाद परिजनों ने महिला को कुएं से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार, बामौरखुर्द निवासी रामेश्वर अहिरवार की पत्नी रामदेवी अहिरवार 21 अगस्त को अपने खेत में बने कुएं पर पानी भरने पहुंची थीं परिजनों का आरोप है कि कुएं में करंट के तार डाले गए थे रामदेवी ने इसका विरोध किया तो पड़ोसी से विवाद हो गया रामेश्वर अहिरवार के मुताबिक उर परियोजना के कारण उनकी पुरानी जमीन डूब क्षेत्र में चली गई थी। इसके बाद करीब दो साल पहले उन्होंने बामौरखुर्द में जमीन खरीदकर परिवार के साथ रहना शुरू किया। उनके अनुसार जमीन पर बना कुआं परिवार के लिए पानी का मुख्य स्रोत है परिजनों का आरोप है कि पड़ोसी गोविंद कोली इस कुएं पर कब्जा करना चाहता है और पहले भी कई बार कुएं में करंट के तार डालने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं रामेश्वर के अनुसार, रामदेवी ने जब कुएं में करंट डालने का विरोध किया तो आरोपी ने कथित तौर पर उसे कुएं में धक्का दे दिया और मौके से फरार हो गया महिला के कुएं में गिरने के बाद रामेश्वर ने शोर मचाया आवाज सुनकर उनके चाचा अर्जुन और ग्यासी अहिरवार मौके पर पहुंचे और महिला को कुएं से बाहर निकाला परिजनों के मुताबिक, बाहर निकालने के समय रामदेवी बेहोशी की हालत में थीं।

बरगी डैम का पानी नर्मदापुरम पहुंचा

सेठानी घाट पर 24 घंटे में 3.4 फीट बढ़ा नर्मदा का जलस्तर, लोगों से घाटों से दूर रहने की अपील

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में जबलपुर के बरगी डैम से छोड़ा गया पानी शनिवार रात नर्मदापुरम पहुंच गया, जिसके बाद मां नर्मदा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सेठानी घाट पर पिछले 24 घंटे में करीब 3.4 फीट जलस्तर बढ़ा है। बढ़ते पानी के कारण घाट की सीढ़ियां भी डूब गई हैं। सुबह 3 घंटे में 0.80 फीट बढ़ा जलस्तर22 अगस्त 2026 को सुबह 6 बजे सेठानी घाट पर मां नर्मदा का जलस्तर 943 फीट दर्ज किया गया था। सुबह 9 बजे यह बढ़कर 943.80 फीट पहुंच

हर घंटे बढ़ रहा जलस्तर: सेठानी घाट पर नर्मदा नदी सामान्य स्तर से करीब 10 फीट ऊपर बह रही है। डैम पॉइंट पर हर घंटे करीब 0.10 से 0.20 फीट जलस्तर बढ़ने की जानकारी है। हालांकि, फिलहाल नर्मदापुरम में नर्मदा नदी खतरे के निशान से 23.8 फीट नीचे है। लेकिन जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को नदी और घाटों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।

जलस्तर अपडेट: दिनांक 22/08/26 सेठानी घाट, नर्मदापुरम – मां नर्मदा जी का जल स्तर 943.80 फीट, प्रातः 09:00 बजे सुबह 6 बजे जलस्तर 943 फीट था। सुबह 9 बजे जलस्तर 943.80 फीट पहुंच गया। 3 घंटे में 0.80 फीट जलस्तर बढ़ा, जो करीब पौन फीट है।

बरगी डैम के 13 गेट खुले: बरगी डैम से करीब तीन दिन पहले पानी छोड़ा गया था। शुरुआत में 9 गेट खोले गए थे, जिन्हें बाद में बढ़ाकर कुल 13 गेट कर दिया गया। इन गेटों से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है, जिसका असर अब नर्मदापुरम में दिखाई देने लगा है।

तवा डैम का जलस्तर भी बढ़ा: इधर, नर्मदापुरम के तवा डैम में भी धीरे-धीरे पानी बढ़ रहा है। शनिवार सुबह डैम का जलस्तर 1145 फीट दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले यह 1144.30 फीट था। तवा डैम फिलहाल फुल होने के स्तर से करीब 21 फीट और गवर्निंग लेवल से करीब 17 फीट नीचे है।

5 दिन भारी बारिश की संभावना नहीं: मौसम को लेकर फिलहाल राहत की खबर है। अगले पांच दिनों तक जिले में भारी बारिश की संभावना नहीं जताई गई है। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बन रहे मौसम सिस्टम नर्मदापुरम तक पहुंचते-पहुंचते कमजोर हो रहे हैं। यही वजह है कि लगातार तेज बारिश का दौर नहीं बन पा रहा है। सीजन में अब तक जिले में करीब 23 इंच बारिश हुई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि तक 39.87 इंच बारिश रिकॉर्ड की जा चुकी थी। फिलहाल बरगी डैम से छोड़े गए पानी के कारण नर्मदा का जलस्तर बढ़ रहा है।

उद्यम संवाद में स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी, सफल उद्यमियों ने साझा किए अनुभव

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जनपद पंचायत ग्यारसपुर के आजीविका भवन में उद्यम संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बासौदा विधायक हरिसिंह रघुवंशी भोपाल संभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता सहित जनप्रतिनिधिगण तथा विभिन्न विभागों के प्रशासनिक एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। उद्यम संवाद का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों, युवाओं, महिलाओं तथा स्वसहायता समूहों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत लाभ प्राप्त कर अपना व्यवसाय स्थापित करने वाले उद्यमियों से संवाद किया गया।

स्वरोजगार योजनाओं की दी जानकारी: कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, संत रविदास योजना सहित स्वसहायता समूहों के माध्यम से संचालित विभिन्न उद्यम गतिविधियों की जानकारी दी गई। उपस्थित उद्यमियों एवं इच्छुक हितग्राहियों को योजनाओं की पात्रता, ऋण एवं सहायता संबंधी प्रावधानों तथा स्वरोजगार स्थापित करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इस अवसर पर सफल उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर उन्होंने अपने व्यवसाय प्रारंभ किए और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाया है। उन्होंने अन्य युवाओं एवं ग्रामीण नागरिकों को भी उपलब्ध योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

एमपी ऑनलाइन एवं कियोस्क सेंटर की सराहना: संवाद के दौरान स्वसहायता समूह से जुड़ी श्रीमती पूजा प्रजापति द्वारा संचालित एमपी ऑनलाइन एवं कियोस्क सेंटर की विशेष रूप से सराहना की गई। विधायक महोदय ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से न केवल संबंधित व्यक्ति स्वयं का सफल उद्यम स्थापित करता है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं द्वारा इस प्रकार के उद्यम संचालित करना अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणादायक है। इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ-साथ गांव की अन्य महिलाओं को भी नई गतिविधियां अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

मौके पर किया समस्याओं का निराकरण: उद्यम संवाद में उपस्थित उद्यमियों एवं हितग्राहियों को शासन की स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उद्यमियों द्वारा योजनाओं से संबंधित अपनी समस्याएं एवं जिज्ञासाएं अधिकारियों के समक्ष रखी गई। अधिकारियों ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही उनके त्वरित निराकरण की कार्यवाही की तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देने, युवाओं एवं महिलाओं को उद्यमिता से जोड़ने तथा शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर शिविर लगाकर किया गया 802 बच्चों का टीकाकरण

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 21 अगस्त को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 566 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 236 बच्चों का टीकाकरण किया गया।

लूट कांड में फरार 8वां आरोपी गिरफ्तार

रतलाम के सराफा व्यापारी को चलती बस में लूटा था, 80 लाख का सोना बरामद

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम सराफा व्यापारी से करोड़ों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण लूटने के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे 8वें आरोपी गौरव गुर्जर को शनिवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी भागरथ गुर्जर का बेटा और हरसौला, इंदौर का निवासी है। पुलिस ने उसके कब्जे से 502 ग्राम सोने के जेवर और 1 किलो 270 ग्राम चांदी के जेवर बरामद किए हैं। बरामद आभूषणों की कीमत करीब 80 लाख रुपए बताई गई है। इस मामले में पुलिस पहले ही 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। उनके कब्जे से 4.167 किलो सोने के 238 जेवर और 4.047 किलो चांदी के 183 जेवर बरामद किए गए थे। इनकी कीमत करीब 5.70 करोड़ रुपए थी।

बस में व्यापारी से लूटा था जेवरों से भरा बैग: घटना 13 अगस्त की रात बिलपांक थाना क्षेत्र में हुई थी। रतलाम की जैन कॉलोनी निवासी सराफा व्यापारी अर्पित पिता ललित कुमार चोरड़िया बड़नगर से व्यापार कर बस से रतलाम लौट रहे थे। रात करीब 9:15 से 9:30 बजे के बीच हनुमान चौकी, उमरथाना फंटा क्षेत्र में आरोपियों ने बस में व्यापारी के साथ मारपीट की और आभूषणों से भरा बैग लूट लिया था। फरियादी की शिकायत पर बिलपांक थाना पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने मामले में डकैती और आपराधिक साजिश की धाराएं भी बढ़ाई थीं।

लूट के आरोपियों को दी थी पनाह: पुलिस के अनुसार, गौरव गुर्जर ने लूट की वारदात में शामिल आरोपियों को पनाह दी थी। इसके बदले उसे लूटे गए सोने का हिस्सा मिला था। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर उसके हिस्से में आए 502 ग्राम सोने और 1 किलो 270 ग्राम चांदी के जेवर बरामद किए हैं। शनिवार सुबह पुलिस ने गौरव को गिरफ्तार किया। शनिवार दोपहर एएसपी राकेश पंद्रो और बिलपांक थाना प्रभारी अयूब खान ने उसकी गिरफ्तारी की जानकारी दी।

व्यापारी का कर्मचारी निकला मास्टरमाइंड: पुलिस के अनुसार, वारदात की साजिश व्यापारी की दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी रोहित नायक ने रची थी। उसे जानकारी थी कि व्यापारी कब, किस रास्ते से और कितनी मात्रा में सोना लेकर जाता है। उसने यह जानकारी अपने साथी अभिजीत उर्फ अभय को दी।

जिला पंचायत की विभिन्न शाखाओं के कार्यों का संभागायुक्त ने लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। भोपाल संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने आज विदिशा जिले के प्रवास के दौरान जिला पंचायत कार्यालय पहुंचकर विभिन्न शाखाओं के कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित शाखाओं के प्रभारी अधिकारियों से संवाद कर विभागीय योजनाओं, प्रगति तथा निर्माण कार्यों की अद्यतन जानकारी प्राप्त की।

संभागायुक्त श्री शर्मा ने शाखावार संचालित योजनाओं की स्थिति, हितग्राहीमूलक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अपनी-अपनी शाखाओं से संबंधित कार्यों एवं प्रचलित योजनाओं की प्रगति से संभागायुक्त को अवगत कराया।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की टास्क मैनेजर श्रीमती कीर्ति चौहान ने रसोईयों की शीडिग (ई केवायसी) के संबंध में संभागायुक्त ने कार्यों की नियमित निगरानी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। सभी कक्षाओं में लेबलिंग पाई जाने के नवाचारों की सराहना की निरीक्षण अवसर पर कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओ.पी. सनोडिया सहित जिला पंचायत की विभिन्न शाखाओं के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

रॉन्ग साइड आ रही बाइक को ट्रक ने कुचला, मौत

2 दिन बाद भी घटना स्थल पर पड़ी रही बाइक

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में रॉन्ग साइड आ रही बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी। बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। घटना 2 दिन पहले यानी गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे की है, जिसका वीडियो अभी सामने आया है। रसूलिया चंदननगर मेन रोड पर गलत दिशा में बाइक चलाते समय 70 वर्षीय मदनलाल वर्मा ट्रक की चपेट में आ गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

ट्रक के नीचे आ गई बाइक: CCTV फुटेज में सुबह करीब 8:27 बजे मदनलाल वर्मा बाइक से रॉन्ग साइड आते दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान ओवरब्रिज की ओर से एक ट्रक शहर की तरफ जा रहा था। ट्रक चालक ने ब्रेक लगाकर हादसा रोकने की कोशिश की, लेकिन बाइक ट्रक के नीचे आ गई। हादसे में मदनलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

SBI ATM से रुपए निकालकर घर लौट रहे थे5 मृतक के बेटे राजेंद्र वर्मा ने बताया कि उनके पिता ऑर्डिनेंस फैक्ट्री से रिटायर्ड थे। गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे वे SBI ATM से रुपए निकालकर घर लौट रहे थे। कुछ देर बाद मोहल्ले के लोगों ने फोन कर हादसे की जानकारी दी। राजेंद्र ने बताया कि मामले में थाने में शिकायत की गई है। ट्रक का नंबर भी पुलिस को बताया गया है। हालांकि, अभी FIR दर्ज नहीं हुई है।

200 मीटर बचाने के लिए रॉन्ग साइड गए: हादसे वाली जगह सड़क के एक तरफ स्क्रैप का ढेरहै और दूसरी तरफ घर जाने का रास्ता है। हादसे रोकने के लिए सड़क पर 200 से 300 मीटर लंबे डिवाइडर बनाए गए हैं। सही रास्ते से घर जाने के लिए करीब 200 मीटर घूमकर आना पड़ता है। इसी दूरी को बचाने के लिए मदनलाल ने बाइक रॉन्ग साइड डाल दी और ट्रक की चपेट में आ गए। हादसे के 2 दिन बाद भी सड़क किनारे पड़ी रही बाइक हादसे के दो दिन बाद शनिवार तक मृतक की बाइक घटनास्थल के पास सड़क किनारे पड़ी रही। शनिवार दोपहर तक देहात थाना पुलिस ने बाइक जब्त नहीं की थी। देहात थाना प्रभारी ऊषा मरावी ने बताया कि एक्सीडेंट में बुजुर्ग की मौत हुई है। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक ने किया स्कूलों का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक श्री हरजिंदर सिंह ने सीहोर जिले के ग्राम पिपलिया मीरा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला और बिलकिसगंज के सांदीपनि स्कूल का निरीक्षण किया। ग्राम पिपलिया मीरा में उन्होंने कक्षा पहली एवं दूसरी के बच्चों के साथ बैठकर कक्षा शिक्षण का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी सीखने की स्थिति एवं समझ को जाना। उन्होंने विद्यार्थियों की अभ्यास पुस्तिकाएं देखीं और शिक्षिका द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। शिक्षिका संगीता परमार के शिक्षण प्रयासों एवं बच्चों के सीखने के स्तर को देखकर संचालक श्री हरजिंदर सिंह ने उनकी सराहना करते हुए राज्य शिक्षा केंद्र स्तर पर सम्मानित किए जाने हेतु विकासखंड स्त्रोत समन्वयक को निर्देशित किया। बिलकिसगंज में सांदीपनि स्कूल में उन्होंने पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों द्वारा सहज पुस्तिका पर किए जा रहे कार्य का अवलोकन किया तथा बच्चों के पढ़ने एवं सीखने की प्रक्रिया के संबंध में शिक्षिकाओं से चर्चा की। उन्होंने विद्यालय में संचालित एफएलएन कक्षाओं का भी निरीक्षण किया और विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पाठ्यपुस्तक वितरण, समग्र आईडी एवं अपार आईडी जनरेशन, आधार कार्ड बनवाने, गणवेश वितरण एवं छात्रवृत्ति सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी ली। इस अवसर पर उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संचालक श्री राकेश दुबे, राज्य शिक्षा केंद्र के श्री रमेश वर्मा, जिला परियोजना समन्वयक श्री आर आर उइके, सहायक परियोजना समन्वयक श्री चंद्रशेखर वर्मा, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक श्री अशोक वर्मा, विकासखंड अकादमिक समन्वयक श्री गेंदराज विश्वकर्मा सहित विद्यालयों के प्राचार्य,जनशिक्षक, संकुल सह समन्वयक ,शिक्षक एवं शाला परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

सागर में तीन दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही

मीडिया ऑडीटर, सागर(निप्र)। बारिश का स्टॉंग सिस्टम सक्रिय होने से सागर जिले में बारिश हो रही है। पिछले तीन दिनों से जिले के अलग-अलग हिस्सों में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। शनिवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे। करीब 11 बजे से बारिश का सिलसिला शुरू हुआ जो रुक-रुककर लगातार जारी है। इस दौरान कुछ हिस्सों में झमाझम बारिश हुई। बारिश से सड़कों पर पानी बह निकला। वहीं वातावरण में ठंडक घुली है। इस समय सागर का अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम पारा 22 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में मानसून ट्रफ, चक्रवात और लो प्रेशर एरिया के असर से बारिश हो रही है।

रायसेन में प्याज के दाम ने पकड़ी रफ्तार

4 दिन में 20 किलो तक बढ़े भाव, किसानों ने खेती से बनाई दूरी

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में प्याज के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले चार दिनों में प्याज की कीमत में करीब 20 रुपए प्रति किलो तक का उछाल आया है। 40 रुपए किलो बिकने वाली प्याज अब बाजार में 50 से 60 रुपए किलो तक पहुंच गई है। स्थानीय स्तर पर प्याज की आवक कम होना और मांग बरकरार रहना कीमत बढ़ने की प्रमुख वजह बताई जा रही है।

आवक घटी तो बाजार में बढ़े दाम: रायसेन जिला मुख्यालय के आसपास के गांवों से इस बार प्याज की आवक में काफी कमी आई है। सब्जी विक्रेताओं और थोक कारोबारियों के मुताबिक, उत्पादन घटने के कारण मंडी में उपलब्धता कम हुई है। सब्जी मंडी के थोक विक्रेता शुभम कुशवाहा ने बताया कि थोक मंडी में प्याज का भाव फिलहाल 35 से 38 रुपए प्रति किलो है। वहीं खुदरा बाजार में यही प्याज

50 से 60 रुपए किलो तक बिक रही है।

कभी प्याज की खेती के लिए मशहूर था पेमत: रायसेन का पेमत क्षेत्र कभी प्याज की खेती के लिए 'मिनी पंजाब' के नाम से जाना जाता था। पेमत के अलावा ब्यावरा, धनोरा, परसोरा, वीरपुर, मऊ जागीर, मानपुर, बरनी जागीर, चांदपुर, वनगवां और नयापुरा समेत आसपास के कई गांवों में किसान बड़े पैमाने पर प्याज की खेती करते थे। लेकिन लगातार घाटे के कारण अब किसानों ने प्याज की खेती से दूरी बनानी शुरू कर दी है।

घाटे ने बदला किसानों का रुख: किसानों का कहना है कि पिछले वर्षों में अच्छी पैदावार के बावजूद उन्हें उचित भाव नहीं मिला। कई बार प्याज इतनी कम कीमत पर बिकी कि खेती की लागत निकालना भी मुश्किल हो गया। कुछ मौकों पर कम दाम के कारण किसानों को हजारों क्विंटल प्याज फेंकनी पड़ी। लगातार नुकसान को देखते हुए इस बार कई किसानों ने प्याज की जगह गेहूं, चना और धान जैसी फसलों पर ध्यान देना शुरू कर दिया।

किसानों ने कहा- मेहनत का नहीं मिला उचित दाम

क्षेत्र के किसान द्वारका प्रसाद, भाव सिंह, प्रकाश, पूरन सिंह और प्रेम सिंह सहित अन्य किसानों के मुताबिक प्याज की खेती में लागत और मेहनत अधिक है, लेकिन बाजार में भाव गिरने पर पूरा नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है। किसानों का कहना है कि जब उत्पादन ज्यादा होता है, तब अक्सर बाजार में कीमत कम हो जाती है। ऐसे में प्याज की खेती घाटे का सौदा बन गई है। इसी वजह से इस बार क्षेत्र के अधिकांश किसानों ने प्याज नहीं लगाई।

किसानों की दूरी का असर अब बाजार में

प्याज की खेती से किसानों की दूरी का सीधा असर अब रायसेन की मंडी और बाजार में दिखाई दे रहा है। स्थानीय उत्पादन और आवक कम होने से प्याज की उपलब्धता घट गई है, जबकि मांग बनी हुई है। इसी के चलते पिछले चार दिनों में प्याज के दाम करीब 20 रुपए प्रति किलो तक बढ़ गए हैं। अगर स्थानीय आवक में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में प्याज की कीमतों में और तेजी की संभावना बनी हुई है।

नागालैंड पासिंग कंटेनर में पकड़ाया 30 लाख का डोडाचूरा

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम नागालैंड नंबर के कंटेनर में कंबलों के नीचे छिपाकर ले जाया जा रहा106.47 किलो डोडाचूरा शुक्रवार देर रात पुलिस ने पकड़ा है। शनिवार को पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि इसकी कीमत करीब 30 लाख रुपए बताई गई है। डोडाचूरा नीमच से 6 कट्टों में भरकर महाराष्ट्र के मालेगांव ले जाया जा रहा था। पुलिस ने कंटेनर जब्त कर नीमच और राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी मौके से फरार हो गया। एएसपी राकेश पंद्रो ने कहा कि शुक्रवार रात बिलपांक थाना प्रभारी को सूचना मिली थी कि कंटेनर क्रमांक हरु 01, 6956 में डोडाचूरा भरकर सातरूंडा होते हुए इंदौर की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने सातरूंडा क्षेत्र में घेराबंदी की। इंदौर जाने वाली रोड के किनारे ले-बाय पर कंटेनर खड़ा मिला। पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली तो उसमें कंबल रखे मिले। कंबलों के नीचे 6 कट्टों में डोडाचूरा छिपाकर रखा गया था। वजन कराने पर कुल 106.47 किलो डोडाचूरा मिला।

पुलिस को देखकर एक आरोपी भागा: कंटेनर में तीन लोग सवार थे। पुलिस को देखकर एक व्यक्ति मौके से भाग गया। पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम मोहनलाल (42) पिता बगदीराम माली, निवासी बराड़ा, सरवनिया महाराज के पास, थाना जावद, जिला नीमच और प्रेमचंद (53) पिता केसुराम धाकड़, निवासी ग्राम रामपुरिया, थाना बेगूं, जिला चित्तौड़गढ़ बताया। पुलिस ने दोनों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर डोडाचूरा और कंटेनर जब्त कर लिया है।

नीमच से डोडाचूरा लाने की बात कबूली: पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे डोडाचूरा नीमच के अनिल सिंह राजपूत से लेकर आए थे। पुलिस अब डोडाचूरा उपलब्ध कराने वाले अनिल सिंह राजपूत और फरार आरोपी अनिल सिंह सोंधिया राजपूत निवासी संगराणा घाटी, जिला नीमच की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार दोनों आरोपियों को शनिवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जाएगा।

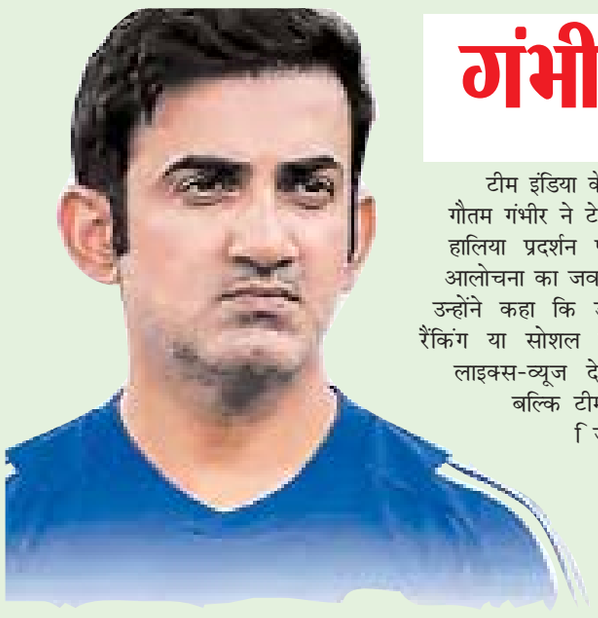

गंभीर बोले- मेरा काम ट्रॉफी जीतना, लाइक्स-व्यूज देखना नहीं

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट टीम के हालिया प्रदर्शन पर हो रही आलोचना का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उनका काम रैंकिंग या सोशल मीडिया के लाइक्स-व्यूज देखना नहीं, बल्कि टीम को ट्रॉफी जिताना है।श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कोलंबो में गंभीर ने कहा कि भारत टेस्ट क्रिकेट में संघर्ष नहीं कर रहा है। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। भारत की टेस्ट टीम में पिछले कुछ समय में बड़े बदलाव हुए हैं। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं। इसके बाद टीम में नए खिलाड़ियों को जगह मिली है। इसी दौर में भारत को न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार मिली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी टीम को हार का सामना करना पड़ा।

● **कप्तान गिल, पडिक्कल और सुथार पर भरोसा**- नई टीम में शुभमन गिल कप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। वह नंबर-4 पर भी बल्लेबाजी कर रहे हैं। देवदत्त पडिक्कल ने नंबर-3 पर अपनी जगह बनाने की कोशिश की है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 167 रन बनाए थे। वहीं मानव सुथार ने अपने शुरुआती टेस्ट मैचों में प्रभावित किया है।

● **कुलदीप या सारांश, 20 विकेट लेने वाला अटैक चुनेगी टीम**-दूसरे टेस्ट में कुलदीप यादव और सारांश जैन में से किसे मौका मिलेगा, यह अभी साफ नहीं है। गंभीर ने कहा कि टीम ऐसा गेंदबाजी कॉम्बिनेशन चुनेगी, जो मैच में 20 विकेट ले सके।गॉल टेस्ट में कुलदीप ने दोनों पारियों में 25 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्हें सिर्फ एक विकेट मिला था। इसके मुकाबले रवींद्र जडेजा और मानव सुथार का ज्यादा इस्तेमाल हुआ था।

● **गंभीर और गिल ने पिच का निरीक्षण किया**- दूसरे टेस्ट से पहले गंभीर और कप्तान शुभमन गिल ने कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब की पिच का निरीक्षण किया। दोनों ने पिच और परिस्थितियों को करीब से देखा।

गंभीर ने गॉल की पिच को अच्छी टेस्ट पिच बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने गॉल में खेलने का आनंद लिया। वह चाहते हैं कि कोलंबो में भी अच्छी टेस्ट क्रिकेट के लिए अनुकूल पिच मिले।

तीन टेस्ट की सीरीज चाहते हैं गंभीर

गंभीर ने टेस्ट सीरीज को तीन मैचों का करने की बात कही। उनका कहना है कि इससे टीमों को वापसी का बेहतर मौका मिलता है। उन्होंने कहा, मैं तीन टेस्ट की सीरीज चाहूंगा। कई बार अगर आप पहला टेस्ट हार जाते हैं तो दूसरी टीम वापसी नहीं कर पाती। अधिकतम वह मैच ड्रॉ कराने की कोशिश कर सकती है।

वैभव सूर्यवंशी पर राहुल द्रविड़ बोले

● वह अभी सिर्फ 15 साल का है...

मुंबई (एजेंसी)। व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ने के बाद वैभव सूर्यवंशी अब रेड-बॉल में छाप छोड़ने वाले है. क्योंकि वो 23 अगस्त से शुरू होने वाले दिलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की ओर से खेलने के लिए तैयार हैं. दिलीप ट्रॉफी में सूर्यवंशी को कम से कम दो लगातार फर्स्ट-क्लास मैच खेलने का मौका मिल सकता है, और अगर ईस्ट जोन फाइनल में पहुंचता है तो तीसरा मैच भी मिल सकता है.

● **वैभव को रेड-बॉल में भी काफी समय मिलना चाहि**-इस बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी राहुल द्रविड़ ने वैभव पर बड़ा बयान दिया है. उनका मानना है कि क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो सभी फॉर्मेट के क्रिकेटर बन सकें. साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 15 साल के इस खिलाड़ी को रेड-बॉल क्रिकेट के लिए काफी समय मिलना चाहिए। बता दें कि राहुल द्रविड़ ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स में बतौर हेड कोच सूर्यवंशी को कोचिंग दी थी. उसी सीजन में वैभव ने आईपीएल में डेब्यू करके धमाल मचाया था. द्रविड़ ने कहा कि इस युवा खिलाड़ी के विकास को सावधानी से संभालने की जरूरत है, ताकि व्हाइट-बॉल के मौकों और रेड-बॉल क्रिकेट के बीच संतुलन बना रहे। डबलिन में यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग के अनावरण के दौरान द्रविड़ ने क्रिकइन्फो से कहा, मुझे लगता है कि आपको हमेशा वह संतुलन बनाना होता है. यह बहुत अच्छी बात है कि वैभव को भारत में आईपीएल के जरिए कुछ व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेलने का अनुभव मिल रहा है, लेकिन उन्हें वापस जाकर भारतीय घरेलू सिस्टम में रेड-बॉल क्रिकेट खेलने और अपने रेड-बॉल करियर को आगे बढ़ाने का समय भी मिल रहा है। सूर्यवंशी ने अब तक केवल आठ फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उनका औसत 17.25 रहा है. द्रविड़ का मानना ??है कि अपनी रेड-बॉल स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए इस युवा खिलाड़ी को इस फॉर्मेट में लगातार खेलने की जरूरत है।

● **वैभव को थोड़ा समय देना होगा**-द्रविड़ ने कहा, वैभव ने शायद व्हाइट-बॉल क्रिकेट की तुलना में उतना रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है. वह अभी सिर्फ 15 साल का है, और मुझे लगता है कि आपको उसे थोड़ा समय देना होगा और उसके साथ धैर्य रखना होगा. जाहिर है कि उसे शुरुआत में ही बहुत सफलता मिली है, लेकिन उसे उतार-चढ़ाव का सामना भी करना पड़ेगा ।

फीफा ने अर्जेंटीना पर लगाया करोड़ों का जुर्माना और तीन खिलाड़ियों पर बैन

स्पेन (एजेंसी)। फुटबॉल की गवर्निंग बॉडी फीफा ने अर्जेंटीना की फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) अर्जेंटीनी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ पर बड़ा बड़ा जुर्माना लगाया है. फीफा ने उनको ये सजा हाल ही में खत्म हुए फीफा वर्ल्ड कप में की गई गड़बड़ियों की वजह से दी है. जिसमें फाइनल में स्पेन के खिलाड़ी के साथ हुई झड़प भी शामिल है।

खिलाड़ियों को सजा -

इस झगड़े की वजह से फीफा ने अर्जेंटीना के चार और स्पेन के एक खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया है. अर्जेंटीना के खिलाड़ियों में लिएंड्रो परेडेस को सबसे कड़ी सजा मिली है. इस मिडफील्डर को 10 मैचों के लिए सस्पेंड किया गया है और 90,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है. जबकि नाहुएल मोलिना को 7 मैचों का सस्पेंशन और 90,000 स्ष और थियागो अल्माडा को एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 स्ष का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा स्पेन के असिस्टेंट कोच रॉबर्टो अयाला को तीन मैचों का सस्पेंशन और 30,000 स्ष का जुर्माना लगाया गया है. वहीं स्पेन के एक खिलाड़ पाब्लो मार्टिन पेज गाविरा पर एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है।

● एएफए पर 3.64 करोड़ रुपये का जुर्माना

खिलाड़ियों के अलावा फीफा ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन पर भी टूर्नामेंट के दौरान हुई कई घटनाओं के लिए 3.64 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है. जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद खिलाड़ियों का फॉकलैंड आइलैंड्स से जुड़ा पॉलिटिकल बैनर ले जाना और समर्थकों द्वारा भेदभावपूर्ण नारे लगाना शामिल है।

बीसीसीआई के टाइटल स्पॉन्सर रेस में जेमिनी और एसबीआई लाइफ

बेस प्राइस 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच, 2 साल में 35 घरेलू मैचों के अधिकार मिलेंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के टाइटल स्पॉन्सर के अधिकारों की डील अभी फाइनल नहीं हुई है। BCCI को तय समय तक कोई ऐसी बोली नहीं मिली, जो उसकी उम्मीदों पर खरी उतरे। अब बोर्ड संभावित कंपनियों से सीधे बातचीत कर रहा है। गूगल का ड्रीम ब्रांड जेमिनी, स्पिनी और एसबीआई लाइफ के नाम इस रेस में सामने आए हैं। बीसीसीआई ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 13 अगस्त रखी थी। क्रिकबज के मुताबिक, या तो कोई बोली नहीं मिली या मिली हुई बोली बोर्ड की उम्मीद के मुताबिक नहीं थी। अब बीसीसीआई के पास सितंबर में घरेलू सीजन शुरू होने से पहले डील फाइनल करने का समय है।

● **बेस प्राइस 15.5 प्रतिशत बढ़ा**- बीसीसीआई ने टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए बेस प्राइस 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच रखा है। यह मौजूदा डील के मुकाबले करीब 15.5 प्रतिशत ज्यादा है। मौजूदा टाइटल स्पॉन्सर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक हर घरेलू इंटरनेशनल मैच के लिए बीसीसीआई को 4.2 करोड़ रुपए देता है। बैंक ने तीन साल पहले ये अधिकार हासिल किए थे।इस बार बीसीसीआई अधिकार सिर्फ दो साल के लिए बेच रहा है। यह डील 31 मार्च 2028 तक रहेगी। इस दौरान करीब 35 घरेलू इंटरनेशनल मैच होने की उम्मीद है। इनमें 10 टेस्ट, 12 वनडे और 13 टी20 इंटरनेशनल शामिल हैं।

● **बेस प्राइस पर डील हुई तो 171 करोड़ मिलेंगे-पिछली** डील में भारत में 55 इंटरनेशनल मैच खेले गए थे। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने इसके लिए करीब 231 करोड़ रुपए खर्च किए थे।अगर नया स्पॉन्सर 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच के बेस प्राइस पर डील हासिल करता है, तो बीसीसीआई को करीब 171 करोड़ रुपए मिलेंगे। इससे ज्यादा की बोली मिलने पर बोर्ड की कमाई भी बढ़ जाएगी।

● **27 सितंबर से शुरू होगा घरेलू इंटरनेशनल सीजन**-भारत में घरेलू इंटरनेशनल के इस सीजन का पहला मैच 27 सितंबर को होगा। इस दिन वेस्टइंडीज की टीम भारत दौरे पर आएगी। इससे पहले सितंबर के बीच में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी होगी। हालांकि, ये मैच अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के होम गेम्स माने जाएंगे।

भारत-श्रीलंका दूसरा टेस्ट आज से

गिल के पास 3 हजार रन और 50 छक्के पूरे करने का मौका, सारांश जैन डेब्यू कर सकते हैं

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा। गॉल में 165 रन से जीत हासिल कर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। अब भारत की नजर सीरीज 2-0 से जीतने और तीन साल बाद विदेशी जमीन पर टेस्ट सीरीज अपने नाम करने पर है। भारत ने आखिरी बार जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ विदेशी टेस्ट सीरीज जीती थी। कप्तान शुभमन गिल के नाम टेस्ट क्रिकेट में अभी 2,993 रन हैं। वह 7 रन बनाते ही 3,000 टेस्ट रन पूरे कर लेंगे। इसके अलावा गिल 47 टेस्ट छक्के लगा चुके हैं और 3 छक्के लगाते ही 50 छक्के पूरे कर लेंगे। जायसवाल पर भी बड़ी पारी का दबाव ओपनर यशस्वी जायसवाल भी लंबे समय से बड़ी पारी का इंतजार कर रहे हैं। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में शतक लगाने के बाद उनकी पिछली 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक आया है।गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में जायसवाल तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो की शॉर्ट गेंद पर कट खेलने की कोशिश में विकेट के पीछे कैच हो गए थे। कोलंबो के नेट्स में उन्होंने इस शॉट पर भी काम किया।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव

इंग्लैंड के खिलाफ पारी से हारने पर पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे खिसका

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में पाकिस्तान की दूसरी पारी में सिर्फ 135 रनों पर ही सिमट गई. जिससे उनको पारी और 103 रनों से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही मेजबान टीम ने तीन दिन के अंदर ही शानदार जीत हासिल कर ली. पाकिस्तान की हार के लिए मुख्य रूप से रॉबिन्सन जिम्मेदार थे. उन्होंने मैच में 80 रन देकर 8 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता।

पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचेपाकिस्तान ने पहली पारी में सिर्फ 171 रन बनाए थे. जबकि इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 409 रन बनाए. जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. इसके बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज दूसरी पारी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के जबरदस्त हमले का सामना नहीं कर सका. जोफ्रा आर्चर, जोश टोंग और ओली रॉबिन्सन ने मिलकर 9 विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड ने एकतरफा जीत हासिल की और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में महत्वपूर्ण अंक प्राप्त किए।

इंग्लैंड की यह शानदार जीत जो रूट के फुल-टाइम टेस्ट कप्तान के तौर पर दूसरे कार्यकाल की मजबूत शुरुआत है. इससे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में इंग्लैंड की स्थिति भी बेहतर हुई है. इंग्लैंड की रैंकिंग ऊपर चला गया है, जबकि पाकिस्तान वेस्टइंडीज से नीचे खिसककर 16 पॉइंट्स और 19.05 के पॉइंट्स प्रतिशत (पीसीटी PCT) के साथ टेबल में सबसे नीचे आ गया है। हालांकि इंग्लैंड स्टैंडिंग में सातवें स्थान पर बना हुआ है. ऑस्ट्रेलिया 77.78 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में टॉप पर बना हुआ है. दक्षिण अफ्रीका भी 75 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है।

● पाकिस्तान की करारी हार

मैच की बात करें तो जब पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की, तो उन पर भारी दबाव था क्योंकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 238 रनों की बढ़त बना ली थी. मेहमान टीम की मुश्किलें लगभग तुरंत ही शुरू हो गईं जब आर्चर ने अपने पहले ही ओवर में इमाम-उल-हक (0) का विकेट ले लिया। शान मसूद ने कई बाउंड्री लगाकर पलटवार करने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड ने दबाव बनाए रखा. इसके बाद अब्दुल्ला शफीक (15) डिफेंस करते हुए एज लगने से आउट हो गए, और लंच से पहले ही पाकिस्तान और भी मुश्किल स्थिति में आ गया। इसके बाद स्थिति और खराब हो गई जब टंग ने पाकिस्तान के मिडिल ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया. सबसे पहले सऊद शकील (14) आउट हुए, और फिर इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में मसूद (29) और सलमान आगा दोनों को आउट करके पाकिस्तान को हार की कगार पर धकेल दिया।

दूसरे टेस्ट में स्टार्क का कहर, बांग्लादेश 64 रनों पर हुआ ढेर

मिशेल स्टार्क 10 ओवर में 6 मेडन 12 रन और 6 विकेट

डार्विन (एजेंसी)। डार्विन बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज का पहला टेस्ट 9 विकेट से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में शानदार वापसी की और मेहमान टीम की पहली पारी सिर्फ 64 रनों पर ही समेट दी. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहर बरपाते हुए 10 ओवर में सिर्फ 12 रन देकर 6 विकेट चटकाए, जिसमें 6 मेडन ओवर भी शामिल थे. ये उनके करियर का 19वां फाइफर (पांच विकेट) था. इसके अलावा कमिंस ने 3 और हेजलवुड ने एक विकेट हासिल किए.

स्टार्क को वर्ल्ड रिकॉर्ड-अपने इस शानदार स्पेल की वजह से स्टार्क ने रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करा लिया वो चार अलग अलग टेस्ट मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं. इससे पहले, उन्होंने श्रीलंका (2016), इंग्लैंड (2021) और भारत (2024) में टेस्ट मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया था।

बता दें कि इससे पहले वेस्टइंडीज के पेड्रो कॉलिन्स के नाम टेस्ट मैच की पहली गेंद पर तीन बार विकेट लेने का रिकॉर्ड था. भारत के ऑलराउंडर कपिल देव और इंग्लैंड के ऑलराउंडर रिचर्ड हैडली ने दो बार यह कारनामा किया था।

इस मैच में स्टार्क ने सिर्फ 22 गेंदों में पांच विकेट चटकाए, जो पांच विकेट लेने का पांचवां सबसे तेज स्पेल बन गया. उनके नाम पहले से ही 2025 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ 15 गेंदों में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है. जबकि इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड और ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड दोनों ने 19 गेंदों में पांच विकेट लिए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन को पांच विकेट लेने में 21 गेंदें लगी थीं.

स्टार्क के टेस्ट विकेटों की कुल संख्या अब 441 हो गई है, और वह डेल स्टेन के 439 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए सर्वकालिक टेस्ट विकेट की सूची में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

● **बांग्लादेश 64 पर ऑलआउट**-मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की बात करें तो में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी करने का फैसला किया. जिस फैसले को तेज गेंदबाजों ने सही साबित कर दिखाया. एक समय बांग्लादेश का स्कोर 39/9 हो गया था और ऐसा लग रहा था कि वे 50 रन पूरे करने से पहले ही ऑल आउट हो जाएंगे. लेकिन, तैजुल इस्लाम और शरीफुल इस्लाम की जोड़ी ने आखिरी विकेट के लिए 25 रन की साझेदारी करके टीम का स्कोर 64 रन तक पहुंचा दिया. ये बांग्लादेश का टेस्ट क्रिकेट में चौथा सबसे लोवेस्ट टोटल है।

● **टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश का लोवेस्ट टोटल**-43 बनाम वेस्टइंडीज (2018)
53 बनाम साउथ अफ्रीका (2022)
62 बनाम श्रीलंका (2007)
64 बनाम ऑस्ट्रेलिया (2026)
ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट खोकर 151 रन बना लिए हैं. जिसमें शरीफुल इस्लाम ने 6 विकेट लेकर मेजबान टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया है।

अब गांव में ही मिलेगी बैंकिंग सुविधा, सुकमा के 39 अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों को माइक्रो एटीएम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सोच के अनुरूप शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में सुकमा जिले में ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधा उनके गांव में ही उपलब्ध कराने की पहल की गई है। कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देशन में जिले के 39 अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के ग्राम स्तरीय उद्यमियों को माइक्रो एटीएम उपलब्ध कराए गए हैं। जिला पंचायत सीईओ श्री मुकुन्द ठाकुर ने शुक्रवार को ग्राम स्तरीय उद्यमियों को माइक्रो एटीएम वितरित किए। इस सुविधा के शुरू होने से अब ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर स्थित बैंक शाखाओं तक जाने की जरूरत नहीं होगी। धान की राशि सहित योजनाओं की राशि गांव में ही निकाल सकेंगे माइक्रो एटीएम के माध्यम से किसान और ग्रामीण अपने गांव के अटल डिजिटल सुविधा केंद्र पर ही एटीएम कार्ड से आसानी से राशि निकाल सकेंगे। धान बिक्री से मिलने वाली राशि के साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं से प्राप्त होने वाली राशि की नगद निकासी भी गांव में ही की जा सकेगी। इससे ग्रामीणों का समय और आने-जाने का खर्च बचेगा। खासकर दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित होगी। बैंकिंग सुविधा से ग्रामीणों को मिलेगी राहत माइक्रो एटीएम की सुविधा से ग्रामीणों को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए बैंक जाने की परेशानी से राहत मिलेगी। यह पहल गांवों में डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीणों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने में भी मदद करेगी। ऐसे हितग्राही, जिनका आधार आधारित भुगतान सिस्टम सक्रिय नहीं है, वे भी माइक्रो एटीएम के माध्यम से आवश्यक राशि निकाल सकेंगे। इससे बैंकिंग सेवाओं की पहुंच अधिक लोगों तक सुनिश्चित होगी। 'बैंक आपके गांव में' की तर्ज पर बढ़ रही सुविधा जिला प्रशासन की यह पहल शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को अब अपने गांव में ही बैंकिंग और डिजिटल सेवाओं का लाभ मिलेगा। इससे सुकमा के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल वित्तीय सेवाओं का विस्तार होगा। माइक्रो एटीएम संचालन की दी गई जानकारी इस अवसर पर आयोजित कार्यशाला में डीडीपी पंचायत श्री शंकर बघेल, सीएससी राज्य कार्यालय रायपुर के सीनियर मैनेजर श्री नीरज हरदेव और सीएससी जिला प्रबंधक श्री शेख शाहरुख उपस्थित रहे। कार्यशाला में ग्राम स्तरीय उद्यमियों को माइक्रो एटीएम के संचालन और ग्रामीणों को बेहतर बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल के अनुरूप सुकमा में शुरू की गई यह सुविधा ग्रामीणों के लिए 'बैंक की सुविधा अब गांव में' की दिशा में एक सार्थक कदम है। इससे शासन की योजनाओं का लाभ लेने वाले किसानों, महिलाओं, श्रमिकों और अन्य हितग्राहियों को अपने ही गांव में सरल, सहज और सुविधाजनक वित्तीय सेवाएं मिल सकेंगी।

विष्णु भैया के उपहार से रक्षाबंधन की खुशियां दोगुनी, महतारी वंदन की 30वी किस्त से बहनों को मिला संबल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना के तहत हर माह मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं को घरेलू जरूरतों, बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों और त्योहारों की तैयारियों में सहारा मिल रहा है। रक्षाबंधन से पहले योजना की 30वीं किस्त मिलने से प्रदेश की बहनों की खुशियां और बढ़ गई हैं। रायगढ़ की श्रीमती वृंदावती सिदार और बिलासपुर की श्रीमती सोनम साहू की कहानी इस बात की मिसाल है

कि किस तरह यह राशि महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ आत्मविश्वास का आधार भी बन रही है। 30वीं किस्त से खरीदी राखी, भाई की कलाई पर सजेगा स्नेह का धागा रायगढ़ की श्रीमती वृंदावती सिदार बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली राशि से उन्हें घर की जरूरी जरूरतें पूरी करने में काफी मदद मिलती है। बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों और घर-गृहस्थी के छोटे-बड़े खर्चों में यह राशि उनके लिए लगातार सहारा बनी हुई है। इस बार 30वीं किस्त से उन्होंने अपने भाइयों के लिए राखी खरीदी है। उनका कहना है कि रक्षाबंधन पर भाई की कलाई पर राखी बांधते समय इस राशि से मिली आत्मनिर्भरता और सम्मान की भावना भी उनके साथ होगी। रक्षाबंधन से पहले 'विष्णु भैया' का उपहार बिलासपुर की श्रीमती सोनम साहू के लिए भी महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त रक्षाबंधन से पहले खुशी का खास अवसर लेकर आई। उन्होंने बताया कि प्राप्त राशि से वह अपने भाई के लिए राखी खरीदने के साथ रक्षाबंधन की अन्य तैयारियां करेंगी। उनका कहना है कि त्योहार से पहले खाते में राशि आने से उनकी खुशी दोगुनी हो गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बहनों को रक्षाबंधन से पहले आर्थिक संबल मिलना उनके लिए किसी उपहार से कम नहीं है। जरूरत के समय अपने फैसले लेने का बढ़ा आत्मविश्वास श्रीमती वृंदावती और श्रीमती सोनम जैसी अनेक महिलाएं महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग अपनी और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में कर रही हैं। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं को छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम करने और परिवार के खर्चों में अपनी भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है। इससे उनमें आत्मविश्वास और आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता भी मजबूत हो रही है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने दिव्यांगजनों को वितरित किए व्हीलचेयर एवं सहायक उपकरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज बलरामपुर संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में 6 दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण एवं सामग्री वितरित किया। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजनों से आत्मीयता के साथ मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा उनके स्वास्थ्य, दैनिक जीवन की आवश्यकताओं और सामने आ रही कठिनाइयों के संबंध में जानकारी ली। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सौनी निवासी श्री धनेश्वर सोनी को बैसाखी, भनौरा निवासी श्री निशांत पैकरा एवं बड़की महरी निवासी सुश्री महिमा दास को व्हीलचेयर, भनौरा निवासी श्री गौरीशंकर एवं श्री फनु सिंह को स्टिक तथा सौनी निवासी सुश्री ममता पाल को स्मार्टफोन प्रदान किया। सहायक उपकरण प्राप्त होने पर लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार जताया। इन उपकरणों से दिव्यांगजनों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ ही दैनिक जीवन के कार्यों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

खनन प्रभावित वन भूमि के पुनरुद्धार में वैज्ञानिक वानिकी को सर्वोच्च प्राथमिकता : वन मंत्री केदार कश्यप

वन मंत्री ने ली सार्वजनिक व निजी उपक्रमों तथा वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खनिज संसाधनों के उपयोग के बाद वन भूमि को उसकी प्राकृतिक पहचान लौटाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। खनन समाप्त होने के बाद केवल पौधे लगा देना ही वन भूमि का पुनरुद्धार नहीं है, बल्कि उसे वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित कर पुनः एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के वन व जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज अपने कोरबा प्रवास के दौरान एनटीपीसी के प्रशासनिक भवन में सार्वजनिक एवं निजी उपक्रमों के प्रतिनिधियों तथा वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में वन संरक्षण एवं संवर्धन अधिनियम के प्रावधानों और स्वीकृत शर्तों के अनुरूप खनन एवं परियोजनाओं से प्रभावित वन भूमि के पुनरुद्धार के सम्बंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री अरुण कुमार पांडे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (लैंड मैनेजमेंट) श्री सुनील मिश्रा, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, हिंडालको, एसईसीएल, एनटीपीसी, बालको, अडानी सहित प्रमुख सार्वजनिक व निजी औद्योगिक एवं खनन उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारी तथा वन विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलना चाहिए। विकास के लिए संसाधनों का उपयोग आवश्यक है, लेकिन इसके साथ प्रकृति को हुई क्षति की भरपाई और वन भूमि को पुनः स्वस्थ स्वरूप प्रदान करना भी उतनी ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा जारी तकनीकी एवं व्यावहारिक दिशा-निर्देशों को सभी संबंधित कंपनियों एवं अधिकारियों को इनका शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री कश्यप ने कहा कि वन भूमि केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि जैव विविधता, वन्यजीवों, जल स्रोतों और स्थानीय समुदायों के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है। इसलिए खनन एवं औद्योगिक गतिविधियों के बाद इसके पुनरुद्धार में दीर्घकालिक पर्यावरणीय दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। वन मंत्री ने सभी औद्योगिक एवं खनन कंपनियों को अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी मद का प्रभावी और संवेदनशील उपयोग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों एवं स्थानीय समुदायों के आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक उन्नयन के लिए सीएसआर गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाए। स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में ठोस और सकारात्मक बदलाव लाने वाले कार्यों को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि विकास का लाभ प्रभावित क्षेत्रों के समुदायों तक भी प्रभावी रूप से पहुंचे। बैठक में स्पष्ट किया गया कि वन भूमि के उपयोग के बाद उसका पुनरुद्धार किसी औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहना चाहिए। रेस्टोरेशन एवं रिक्लेमेशन के प्रत्येक कार्य में वैज्ञानिक वानिकी सिद्धांतों, स्थानीय पारिस्थितिकी और स्थल की प्राकृतिक विशेषताओं को केंद्र में रखा जाए।

पावस प्रसंग' में शास्त्रीय नृत्य-संगीत से सजी सांस्कृतिक संध्या

शास्त्रीय गायन, भरतनाट्यम और कथक की मनोहारी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विभागीय आयोजन-2026 के अंतर्गत राजधानी रायपुर में 'पावस प्रसंग' का आयोजन किया गया। महंत घासीदास संग्रहालय परिसर स्थित मुक्ताकाशी मंच पर आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में वर्षा ऋतु की भावभूमि को शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया गया। कार्यक्रम में शास्त्रीय गायन, भरतनाट्यम और कथक समूह की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भारतीय शास्त्रीय कला की समृद्ध परंपरा से रूबरू कराया। 'पावस प्रसंग' के प्रथम दिवस की पहली प्रस्तुति सुश्री अलका कुर्रे ने शास्त्रीय गायन के माध्यम से दी। कक्षा आठवीं की विद्यार्थी सुश्री अलका कुर्रे ने अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम की सांगीतिक शुरुआत की। उनकी प्रस्तुति में शास्त्रीय संगीत की सुरमयी एवं भावपूर्ण अभिव्यक्ति देखने को मिली। इसके बाद श्री होरित गौर ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में शास्त्रीय नृत्य की लय, भाव और सौंदर्य को प्रभावी ढंग से सामने रखा। भरतनाट्यम की मुद्राओं और भावाभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुति ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। डॉ. आरती सिंह के निर्देशन में 10 विद्यार्थियों ने दी कथक की प्रस्तुति कार्यक्रम का विशेष आकर्षण डॉ. आरती सिंह एवं उनके 10 विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कथक रहा। प्रस्तुति में 'शिव पंचाक्षर स्तोत्र' सहित वर्षा ऋतु की भावभूमि को कथक की लय, ताल, मुद्राओं और भावाभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। सामूहिक प्रस्तुति में विद्यार्थियों ने अनुशासित एवं प्रभावशाली नृत्य संयोजन के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विकसित भारत-जी राम जी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में विकसित भारत-जी राम जी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की संभागस्तरीय समीक्षा की। बैठक में योजनाओं की प्रगति, निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध उपलब्धियां, लंबित प्रकरणों के निराकरण तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव एवं विकसित भारत-जी राम जी के अपर आयुक्त श्री एस. आलोक ने जिलेवार आबंटित लक्ष्यों एवं प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने विभिन्न कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति, हर घर और हर गांव तक पहुंचाना प्राथमिकता संभागायुक्त श्री दुग्गा ने कहा कि सरगुजा संभाग अनुसूचित जनजाति क्षेत्र है और यहां शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के सीईओ को निर्देशित किया कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को जनपद स्तर एवं मैदानी अमले के कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। मानव दिवस सृजन बढ़ाने और जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता बैठक में विकसित भारत-जी राम जी के अंतर्गत जुलाई एवं अगस्त माह में सृजित मानव दिवस तथा पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में मानव दिवस सृजन की स्थिति की समीक्षा की गई। संभागायुक्त ने जिन क्षेत्रों में मानव दिवस सृजन अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष प्रयास कर निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विद्यालयों में आवश्यकतानुसार शौचालय निर्माण, मुक्तिधामों में प्रतीक्षालय एवं शेड निर्माण तथा जल संरक्षण एवं जल संचयन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने कहा। वर्षा जल के संरक्षण, भूजल स्तर बढ़ाने और पानी की बर्बादी रोकने के लिए आवश्यक कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

कांवड़ यात्रा आस्था, भक्ति और समर्पण का प्रतीक : मंत्री राजेश अग्रवाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पावन श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ की भक्ति में श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। इसी क्रम में रामगढ़ से कैलाश गुफा की ओर कांवड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं का छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आत्मीय स्वागत एवं सत्कार किया। उन्होंने कांवड़ यात्रियों से मुलाकात कर उनकी यात्रा के संबंध में जानकारी ली और सभी श्रद्धालुओं को सुखद, सुरक्षित एवं सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि श्रावण मास में निकलने वाली कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति, तपस्या और समर्पण की यात्रा है। भगवान शिव के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और विश्वास इस यात्रा में दिखाई देता है। कांवड़ यात्री कठिन परिस्थितियों और लंबी दूरी की चुनौतियों के बावजूद पूरे उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ अपनी यात्रा पूरी करते हैं। यह यात्रा श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक ऊर्जा और भगवान भोलेनाथ के प्रति उनकी गहरी आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कांवड़ यात्रियों का स्वागत करते हुए भगवान भोलेनाथ से सभी श्रद्धालुओं की यात्रा सुखद, सुरक्षित एवं सफल होने की कामना की। उन्होंने कहा कि बाबा भोलेनाथ सभी कांवड़ यात्रियों पर अपनी कृपा बनाए रखें और उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करें। कांवड़ यात्रियों में दिखा उत्साह और भक्तिभाव रामगढ़ से कैलाश गुफा की ओर बढ़ रहे कांवड़ यात्रियों में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला।

क्षेत्रवासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी प्राथमिकता : मंत्री राजेश अग्रवाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर स्थित अपने निज निवास पर क्षेत्र से पहुंचे सम्मानित नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं, आवश्यकताओं और स्थानीय विषयों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों एवं मांगों के त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री अग्रवाल ने क्षेत्रवासियों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं की जानकारी ली और प्रत्येक विषय को प्राथमिकता के साथ समझा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आम नागरिकों से जुड़े मामलों के निराकरण में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। पात्र लोगों को शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ समय पर मिले और स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं का नियमानुसार शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी प्राथमिकता है। जनप्रतिनिधि के रूप में जनता से सीधा संवाद उनकी जिम्मेदारी भी है और जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम भी। क्षेत्र की जनता अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं को लेकर सहजता से संपर्क कर सके तथा उनकी बात संबंधित स्तर तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण और सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

टाउन हॉल की छायाचित्र प्रदर्शनी का हुआ समापन, इतिहास से विकास तक की यात्रा ने किया प्रभावित

स्वतंत्रता संग्राम, 'वंदे मातरम्' की गौरवगाथा और छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा रही मुख्य आकर्षण का केंद्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आज समापन हुआ। 15 से 21 अगस्त तक आयोजित इस प्रदर्शनी को नागरिकों, विद्यार्थियों और शिक्षकों का अच्छा प्रतिसाद मिला। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम, वीर सेनानियों के संघर्ष और बलिदान से लेकर 'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा तथा राज्य की विकास और सुशासन यात्रा को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। इतिहास से नई पीढ़ी का जुड़ाव इस प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े दुर्लभ छायाचित्र, ऐतिहासिक दस्तावेज और महत्वपूर्ण प्रसंग प्रदर्शित किए गए। महात्मा गांधी के छत्तीसगढ़ प्रवास, स्वतंत्रता आंदोलन में प्रदेश के योगदान और वीर सेनानियों के संघर्ष को तस्वीरों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने इन छायाचित्रों को उत्सुकता से देखा और कहा कि पुस्तकों में पढ़े इतिहास को तस्वीरों के माध्यम से देखना उनके लिए प्रेरणादायी अनुभव रहा। 'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की गौरवगाथा ने खींचा ध्यान प्रदर्शनी में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की यात्रा पर विशेष खंड बनाया गया था। इसमें इसके ऐतिहासिक महत्व और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रभावना जागृत करने में इसकी भूमिका को प्रदर्शित किया गया। इस खंड को विद्यार्थियों और युवाओं ने विशेष रुचि के साथ देखा। एआई तकनीक से पर्यटन और विरासत का नया अनुभव प्रदर्शनी में एआई तकनीक के माध्यम से छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की पृष्ठभूमि के साथ डिजिटल तस्वीर तैयार करने की सुविधा ने बच्चों और युवाओं को खासा आकर्षित किया। आधुनिक तकनीक के माध्यम से राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक और पर्यटन विरासत से जुड़ने का यह अनुभव आगंतुकों के लिए नया और रोचक रहा। विद्यार्थियों और युवाओं ने उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। क्विज के माध्यम से मनोरंजन के साथ लोगों को अपने राज्य के बारे में अधिक जानने और अपने ज्ञान को परखने का अवसर मिला। योजनाओं और विकास कार्यों की दिखी तस्वीर इस प्रदर्शनी में राज्य की विकास यात्रा को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया। महतारी वंदन योजना, कृषक उन्नति योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन में आए बदलावों को तस्वीरों और सूचनात्मक सामग्री के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। महिलाओं, किसानों, युवाओं, श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों के सशक्तिकरण से जुड़ी उपलब्धियों के साथ सुशासन तिहार, हरित छत्तीसगढ़, सड़क एवं रेल संपर्क, अधोसंरचना विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसरों की झलक भी प्रदर्शनी में देखने को मिली। वृत्तचित्र के माध्यम से दिखाई विकास की यात्रा प्रदर्शनी परिसर में छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा, उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित वृत्तचित्र का प्रदर्शन भी किया गया। इससे आगंतुकों को राज्य में हुए विकास कार्यों और योजनाओं के प्रभाव को दृश्यों के माध्यम से समझने का अवसर मिला। ऐश्वर्य यादव, दिव्यांशु आदिल,अवंतिका सिंह नैंसी साहू और टीना जंघेल ने प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके लिए यह बड़ा ही रोचक और अनोखा अनुभव रहा है । छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन और वर्तमान विकास यात्रा को जानने का मिला अवसर इस सात दिवसीय प्रदर्शनी को देखने पहुंचे विद्यार्थियों और शिक्षकों ने इसे ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी बताया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा